तापमान

अधिकतम 28.6 डिग्री

न्यूनतम 08.2 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

13 सोलर पैनल लगाने के बाद उपभोक्ताओं को नहीं मिल रही सब्सिडी, लोग परेशान

13 कमजोर बच्चों को सीमित पाठ्यक्रम से बोर्ड परीक्षा की कराएं तैयारी

गुजरता साल 2025

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

बड़े काम जो इस साल अधूरे रह गए...

20 करोड़ के ऑडिटोरियम | 15 करोड़ की डीयू की बिल्डिंग | 2.50 करोड़ का ट्रैफिक पार्क

हरिभूमि न्यूज :भिलाई । वर्ष 2025 गुजरने को है। वर्ष 2026 की शुरुआत को अब सिर्फ 24 घंटे बचे हैं। काउनडाउन शुरू हो चुका है। इस बीच इस साल होने वाले कई काम ऐसे हैं, जो अधूरे रहे गए हैं। उम्मीद थी कि ये काम 2025 में पूरे हो जाएंगे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से काम को पूरा नहीं किया जा चुका। कोटनी-नगपुरा के बीच शिवनाथ नदी पर नया पुल बनकर तैयार है। वाहनों की आवाजाही भी शुरू हो गई है, लेकिन विधिवत उद्घाटन अब तक नहीं हो पाया है। इसी प्रकार हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी आज भी पुराने गर्ल्स कॉलेज में संचालित हो रहा है। सिविक सेंटर भिलाई में ट्रैफिक पार्क का काम अधूरा है। दुर्ग में आईटी पार्क के लिए जगह तय फाइनल नहीं हो पाई है। कैम्प कार्यालय के लिए वर्किंग वुमन हॉस्टल पर जगह चिन्हित की गई, लेकिन दफ्तर के नाम पर सिर्फ टेबल और मेज रखे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में इसका खुलासा हुआ है। इसके अलावा टेडेसरा से अभनपुर होकर आरंग तक जाने वाली भारतमाला परियोजना की सिक्स लेन सड़क का काम भी कई जगहों पर अधूरा है, उम्मीद की जा रही थी कि 2025 के अंत तक सिक्स लेन के कुछ हिस्सों पर आवाजाही शुरू कर दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। अमृत भारत योजना के अंतर्गत दुर्ग, भिलाईनगर, पावर हाउस और भिलाई-तीन रेलवे स्टेशन का रिनोवेशन किया जा रहा है, यह काम भी अधूरे हैं।

आईटी पार्क के लिए जगह को लेकर अब भी संशय

दुर्ग में आईआईटी के बाद आईटी पार्क बनाए जाने की स्वीकृति मिली है। मंत्री गजेंद्र यादव के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को लेकर पूरे साल कवायद होते रही। अलग-अलग जगहों पर पार्क को तैयार करने के लिए सर्वे भी किया गया। पॉलीटेक्निक कॉलेज के आसपास की जगह भी फाइनल की गई, यहां तक आईटी पार्क के लिए प्रारंभिक कैम्प कार्यालय खोला जाना सिविल लाइन स्थित वर्किंग वुमन हॉस्टल में तय किया गया, लेकिन दफ्तर में काम के नाम पर अब तक कुछ भी शुरू नहीं हो पाया है। कई मल्टीलेवल कंपनियों से बात की जा रही है, लेकिन धरातल पर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। बता दें कि आईआईटी भिलाई एवं छत्तीसगढ़ सरकार के मध्य आईटी पार्क स्थापना हेतु एमओयू किया गया है। आईटी पार्क का निर्माण न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप के नए अवसर सृजित करेगा, बल्कि दुर्ग को तकनीकी नवाचार और डिजिटल प्रगति का एक सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

8 करोड़ के ऑडिटोरियम की लागत 10 करोड़ और बढ़ गई, बिल्डिंग का काम अब भी अधूरा

साइंस कॉलेज में आधुनिक संसाधनों के लैस ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाना है। ऑडिटोरियम पिछले लंबे समय से बनने की बाटजोह रहा है। वर्ष 2025 में भी यह बनकर तैयार नहीं हो सका। वर्ष 2016 से इसकी कवायद की जा रही है। संभाग स्तर पर इस ऑडिटोरियम को प्रस्तावित किया गया था। करीब साढ़े 8 करोड़ प्रथम चरण में स्वीकृत हुए थे। वर्तमान में 10.14 करोड़ रुपए इस कार्य के लिए पुनः स्वीकृत किए गए हैं। 27 जून 2025 को नए सिरे से कार्य आदेश जारी हुआ। 10 महीने में काम पूरा होना है, लेकिन अब तक सिर्फ ढांचा की खड़े हो पाया है। एन्यू कंस्ट्रक्शन रायपुर को निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 750 सीटर ऑडिटोरियम को लेकर लगातार ड्राइंग डिजाइन बदलते रहा है।

न धमधा नाका के कंडम फ्लाईओवर का प्रस्ताव बना, न नालंदा परिसर की फाइल आगे बढ़ी

दुर्ग में शहीद चौक से होकर धमधा नाका तक राजीव गांधी सेतु का निर्माण किया गया है। वर्ष 1988 में बने इस फ्लाई ओवर में आज भी आवाजाही जारी है, जबकि करीब 10 साल पहले ही इसे कंडम घोषित किया जा चुका है। 2025 में इसका सर्वे कर कार्ययोजना तैयार की गई। उम्मीद थी कि इसकी स्वीकृति मिलने के साथ काम शुरू हो जाएगा, लेकिन तकनीकी कारणों से ऐसा नहीं हो सका। अधिकारियों ने बताया कि इस ब्रिज के समानांतर नए ब्रिज का निर्माण होगा, जो आईएमए चौक पर आकर मार्ग से जुड़ेगा। इसी प्रकार सिंधी कॉलोनी से मालवीय नगर मार्ग एक बार फिर खुलेगा। इसके लिए मुआवजा प्रकरण तैयार कर शासन को अनुमति के लिए भेजा गया है, लेकिन स्वीकृति का मामला अब तक अटका हुआ है।

स्थापना के बाद से कार्यालय के लिए बाटजोह रहा डीयू, जर्जर बिल्डिंग में चल रहा प्रशासनिक दफ्तर

दुर्ग जिले के भिलाई में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के भवन निर्माण का काम पूरा होने के बाद भी आज तक हैंडओवर नहीं हो सका है। विश्वविद्यालय का पूरा काम आज भी 48 साल पुराने भवन यानी पुराने गर्ल्स कॉलेज में हो रहा है। नई बिल्डिंग हैंडओवर न होने की वजह निर्माण में बरती गई लापरवाही सामने आ रही है। नई बिल्डिंग को बने 2 साल ही हुए है जिसमें दीवारों में जगह-जगह दरार और सीलन पड़ गई है। लिफ्ट बंद पड़ी है। निर्माण के दौरान कार्यों की गुणवत्ता को सुधारने और मेंटेनेंस के लिए नए कुलपति ने पीडबल्यूडी को पत्र लिखा है। प्रशासकीय बिल्डिंग बनाई गई है। इस पर 14.92 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। 8 मार्च 2019 को भूमिपूजन हुआ। 2024 में काम पूरा हुआ, 2025 में नई स्वीकृति ली गई, लेकिन काम अधूरा रह गया।

सस्ता सस्ता सस्ता

न्यु ओम ज्वेलर्स

शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध

जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री

916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने

अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध

आज ही पधारें

सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है

★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
★ टोटल हाल मार्क जेवर
★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री
★ रिपेयरिंग फ्री

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

सत्य के सजग, निडर पत्रकारिता के प्रतिबिंब दैनिक

हरिभूमि

रायपुर संस्करण के 24 वें

स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

हरिभूमि समाचार पत्र के 24 वर्षों की विश्वासपूर्ण पत्रकारिता और उज्ज्वल भविष्य की ओरपत्रकारिता केवल समाचार देने का माध्यम ही नहीं होती, बल्कि यह समाज का दर्पण, लोकतंत्र की रीढ़ और जन-जन की आवाज़ होती है! ऐसे में हरिभूमि समाचार पत्र का 24 वर्ष पूर्ण करना केवल एक संस्थान की वर्षगांठ नहीं, बल्कि प्रतिबद्ध, निर्भीक और जनोन्मुख पत्रकारिता की एक सशक्त यात्रा का उत्सव है! हरिभूमि समाचार पत्र अपने रजत जयंती वर्ष के राह पर निकल चली है! 24 वर्ष पूर्व जिस उद्देश्य, विश्वास और संकल्प के साने अपने कदम बढ़ाए, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक और मजबूत दिखाई देता है !इन वर्षों में हरिभूमि समाचार पत्र ने समय के साथ स्वयं को बदला, तकनीक को अपनाया, पाठकों की अपेक्षाओं को समझा और अपनी पत्रकारिता की धार को लगातार तेज किया, तारीफ़ के काबिल है! यही कारण है कि आज हरिभूमि केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि करोड़ों पाठकों का भरोसा भी बन चुका है! हरिभूमि की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता और साहसिक लेखनी रही है, साथ ही साथ जब-जब समाज को सच की आवश्यकता पड़ी, तब-तब इस अखबार ने बिना किसी दबाव के सच्चाई को सामने रखा जैसे कि ग्रामीण मुद्दों से लेकर शहरी समस्याओं तक, राजनीति से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और खेल तक का सफ़र हरिभूमि ने हर वर्ग और हर विषय को समान महत्व दिया है !यही समावेशी दृष्टिकोण इसे अन्य समाचार माध्यमों से अलग पहचान देता है! आज के दौर में, जब पत्रकारिता कई चुनौतियों से जूझ रही है, फेक न्यूज़, टीआरपी की होड़, डिजिटल दबाव ऐसे समय में हरिभूमि का 24 वर्षों तक अपनी विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशंसनीय ही नहीं, प्रेरणादायक भी है!यह सफलता संपादकीय टीम, संवाददाताओं, कर्मचारियों और प्रबंधन की सामूहिक मेहनत का परिणाम है, जिन्होंने पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में निभाया वो सम्मान के हकदार भी हैं।

खबर संक्षेप

संत रामपाल महाराज को किसान रत्न सम्मान

सेलूद। ग्राम पंचायत सेलूद में संत रामपाल महाराज के लाइव कार्यक्रम प्रोजेक्टर स्क्रीन के माध्यम से प्रसारित किया गया। भारतीय किसान यूनियन के द्वारा संत रामपाल महाराज को किसान रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। संत रामपाल महाराज के अन्नपूर्णा मुहिम के द्वारा देश के सभी राज्यों में निर्धन असहाय गरीब परिवारों को रोटी, कपड़ा, शिक्षा, चिकित्सा और मकान जैसे मूलभूत आवश्यकताएं निःशुल्क प्रदान की जा रही है।

मड़ई में राऊत नाचा अखाड़ा ने मन मोहा

कुम्हारी। कुम्हारी में बीते दिन रविवार को समस्त ग्रामवासियों द्वारा मड़ई का आयोजन किया गया। मड़ई में राऊत नाचा, अखाड़ा ने दर्शकों का मन मोह लिया। देर रात तक आयोजन समिति द्वारा मंच में गांव के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। वहीं अतिथियों का लोकसंस्कृति की धरोहर पर सम्बोधन हुआ। रात्रिकालीन कार्यक्रम दूध मोंगरा की प्रस्तुति ने अगले दिन सुबह तक दर्शकों को हंसी ठिठोली एवं लोकरंग नृत्यों के माध्यम से बांधे रखा। कार्यक्रम में कुम्हारी नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, राकेश पाण्डेय, मनोज वर्मा ,राधेलाल यादव ,धर्मेंद्र सिन्हा, नारायण सोनकर, महेश सोनकर, फिंगेश्वर साहू, रघुनाथ देशमुख, कमलेश यादव आदि उपस्थित रहे।

धनोरा में जस गीत, झांकी प्रतियोगिता 3 व 4 को

उतई/अंडा। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में दो दिवसीय राज्य स्तरीय देवी जस गीत एवं झांकी प्रतियोगिता 3 जनवरी शनिवार से आयोजित होने जा रही है। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि सुबह 10 बजे ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित होकर दीप प्रज्ज्वलित करेंगे। इसी दिन बोरसी, हनोदा, चंदखुरी, कौड़ियां, कोकड़ी, मड़ोदा और नेवई में भी जस गीत एवं झांकी प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। शनिवार रविवार को शाम 6 बजे जस सम्राट के द्वारा माता रानी की आरती होगी।

निधन

सुमित्रा साहू

भिलाई। ग्राम धनोरा निवासी 70 वर्षीय सुमित्रा साहू पति स्व. विश्राम

प्रसाद साहू का निधन 30 दिसंबर को हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 31 दिसंबर को साहू कर्मा भवन के सामने जानकी मंगलम भवन, धनोरा से सुबह 11 बजे शिवनाथ नदी दुर्ग के लिए निकाली जाएगी। वे कमल, नरेश साहू की मां थी।

ईश्वर गिरी गोस्वामी

भिलाई। ईश्वर गिरी गोस्वामी 75 वर्ष पिता चंडी गिरी गोस्वामी बेमेतरा मूल निवासी आमगांव का

30 दिसंबर को हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 31 दिसंबर को सुबह 10 बजे ग्राम कोटनी दुर्ग में किया जाएगा। वे प्रमोद गिरी, विंदेश्वरी,परमेश्वरी, कुसुम के पिता, भागवत गिरी के ससुर थे।

केंद्रीय जेल में निरुद्ध आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को विधिक सहायता मिलेगी निःशुल्क

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

केन्द्रीय जेल का जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विनोद कुजूर ने निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने महिला प्रकोष्ठ में निरुद्ध महिला बंदियों से उनकी प्रकरण की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता, साफ सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जेल में सजायाफ्ता बंदियों की अपील संबंधी प्रकरणों को अद्यतन करने एवं बंदियों को प्रकरण की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। दैनिक दिनचर्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। नव आगंतुक बंदियों को उनके प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के विषय में बताया गया। बताया गया कि जो बंदी निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता सलाह प्रदान कर उनकी पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता की नियुक्ति की जाएगी। जेल प्रशासन को ऐसे बंदी जिन्हें परिहार का लाभ दिया जा सकता है, उनके आवेदन के लंबित रहने के कारणों सहित जानकारी प्राधिकरण को प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उन्होंने मुख्य रूप से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत जेल में निरुद्ध कैदियों से संवाद स्थापित कर उनके आश्रित परिवारजनों को होने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवहारिक कठिनाइयों के संबंध में जानकारी ली। कारावास की अवधि के दौरान उनके आश्रित की आजीविका, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य उपचार, भरण-पोषण एवं दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विनोज कुजूर ने किया निरीक्षण

निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान के निर्देश

इस अवसर पर उनके द्वारा यह निर्देशित किया गया कि ऐसे पात्र कैदियों एवं उनके आश्रित परिवारजनों की पहचान कर उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाए। पैरालीगल वालेंटियर्स के माध्यम से आश्रित परिवारों का फील्ड स्तर पर सत्यापन कर उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित किया जाए।

विभाग और कंपनी का लगा रहे हैं चक्कर, जिम्मेदार है मौन

सोलर पैनल लगाने के बाद उपभोक्ताओं को नहीं मिल रही सब्सिडी, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭पाटन

पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में राजेंद्र साहू के निवास पर योग ग्रीन इंडस्ट्री के माध्यम से 03 किलो वाट का सोलर पैनल लगाया गया है। जिसकी सब्सिडी कंपनी के द्वारा एक महीना के अंतर्गत देने की बात हुई थी जिस पर आज 06 महीना बीत जाने के बाद भी सब्सिडी नहीं मिली है जिस पर उपभोक्ता राजेन्द्र साहू ने नाराजगी जाहिर करते हुए क्रेडा विभाग के अधिकारी को आवेदन किया है।

आपको बता दें मुफ्त बिजली की ओर अग्रसर शासन के योजना का लाभ अपभोक्ता को नही मिल पा रही है। सोलर पैनल लगाने वाले कंपनी लोगो को गुमराह कर कार्य कर रहा है जिससे लोगो को सुविधा की जगह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उपभोक्ता राजेंद्र साहू ने मिडिया को जानकारी शेयर करते हुए कंपनी पर आरोप लगाया है कि एक लाख अस्सी हजार की सोलर पैनल लगाया गया है जो 30 जून 2025 को घर पर सीएसपीडीसीएल एवं योगग्रीन कर्मचारी के माध्यम से सोलर पैनल में पावर प्रारंभ हुआ। शासन के द्वारा उपभोक्ता को मिलने वाला सब्सिडी राशि प्राप्त अभी तक नहीं हुई है। सोलर पैनल लगाने से पहले कंपनी ने हमें गारंटी दी थी कि एक माह के भीतर खाते में राशि आ जाएगी लेकिन अभी तक हमें सब्सिडी की राशि प्राप्त नहीं हुई है तथा झूठा आश्वासन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी के द्वारा गुमराह किया जा रहा है कई बार उनके ऑफिस के चक्कर लगाकर हम थक चुके हैं।

विभागीय स्तर पर पहल में हो रही देरी

सोलर पैनल लगाया गया है जिसमें त्रुटि हुई है

“ राजेंद्र साहू के घर पर सोलर पैनल लगाया गया है जिसमें त्रुटि हुई है, जिसके कारण सब्सिडी नहीं आ पा रही है एडिट का ऑप्शन आएगा तो सब्सिडी मिलेगी या फिर सोलर पैनल को चेंज करने पर ही सब्सिडी उसको मिल सकेगी, जिसके लिए प्रयास किया जा रहा है।

कमलेश देवांगन, योग ग्रीन ऑफिस रायपुर

अंचल की खबरें

जोड़ा जैतखाम में पूजा-अर्चना की पूर्व सीएम बघेल ने

पाटन। ग्राम दैमार में बाबा गुरु घासीदास जयंती और वार्षिक मंडाई मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उपस्थित थे। जोड़ा जैतखाम में अतिथियों ने पूजा अर्चना की। सरपंच मोहित विश्वकर्मा के साथ ग्राम पंचायत के पंचों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान पूर्व सीएम बघेल ने कहा कि बाबा जी ने मानव मानव एक समान का संदेश दिया है। इस दौरान विशेष रूप से दुर्ग जिला कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, आशीष वर्मा, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, जनपद सदस्य उर्वशी वर्मा, आनंद बघेल, आशीष वर्मा, अजय सिंगौर, नेता प्रतिपक्ष आभाष दुबे, पार्षद पुरुषोत्तम कश्यप, डॉ बीरेंद्र कौशिक, पूर्व पार्षद लीलाधर वर्मा, सहित पंचगण और ग्राम के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे। संचालन दुर्गेश पाटिल ने किया।

वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭अंडा

गायत्री ज्ञान मंदिर कुथरेल नहर पारा मे वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आध्यात्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अन्नघट स्थापित परिवारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री महायज्ञ से हुआ जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने अपनी अपनी आहुतियां प्रदान की। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा,अध्यक्षता लोमश चंद्राकर सभापति जनपद पंचायत दुर्ग विशेष अतिथि के रूप में ज्ञानेश्वर मिश्रा, गीता गजपाल सरपंच ग्राम पंचायत कुथरेल, पदमाकर चंद्राकर, उषा चंद्राकर पंच उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रेमलाल देशमुख एवं कार्यक्रम का आभार यशवंत देशमुख के द्वारा किया गया। गायत्री परिवार से संतोष देवांगन गुहाराम देवांगन, टीकम देशमुख, राजकुमार साहू, कमलेश देशमुख, दुलारी देवांगन, कुंती देशमुख, तुलसी साहू, सुशीला चंद्राकर, गायत्री देशमुख, मेनका देशमुख, भारती चंद्राकर, रीना, रोशनी, प्राची देशमुख, श्रद्धा देशमुख उपस्थित रहे।

शिविर में सुलझी नगरवासियों की समस्याएं

नंदिनी अहिवारा। गुड गवर्नेंस वीक 2025 के अंतर्गत नगर पालिका परिषद अहिवारा द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु मंगल भवन, वार्ड क्रमांक 03, अहिवारा में शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान नागरिकों ने कुल 15 आवेदन प्रस्तुत किए। जिसमें से 4 उज्जवला योजना से संबंधित होने के कारण संबंधित विभाग को प्रेषित किया गया है। शिविर में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष वार्ड पार्षद एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया , 11 आवेदक का आधार अपडेशन एवं 11 आवेदको का परिवहन विभाग से लर्निंग लाइसेंस शिविर में बनाया गया।

वार्षिक उत्सव में सम्मानित हुईं प्रतिभाएं

कुम्हारी। मानसरोवर विद्यालय जंजगिरी में वार्षिक उत्सव एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. जसवंत जैन थे। विशिष्ट अतिथि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा चरोदा से शिवानी एवं दुर्ग से डॉ. नवीन जैन उपस्थित रहे। प्राचार्य पवन कुमार साहू ने मुख्य अतिथि और संदीप मढरिया ने विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। स्वागत भाषण उप-प्राचार्य मनीष सोनगेन ने दिया। इस अवसर पर पार्वती साहू, सरला साहू, सुमित जैन, विजय वर्मा और सृजन साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

युवा खेल महोत्सव में जुटे नौजवान, दिखाई प्रतिभा

सेलूद। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन सेजस सेलूद मैदान में हुआ। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, पाटन जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, जनपद सीईओ जागेंद्र साहू, सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग परिवेश जोशी, सेलूद सरपंच खिलेश मार्कंडेय, राकेश साहू सहित अन्य जन उपस्थित थे।

कमजोर बच्चों को सीमित पाठ्यक्रम से बोर्ड परीक्षा की कराएं तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

■ धाराप्रवाह हिंदी-अंग्रेजी वाचन और हैंडराइटिंग सुधार के लिए दिए दिशा निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने मंगलवार को विकासखंड धमधा और दुर्ग अंतर्गत कई स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से चर्चा के बाद शिक्षकों को आवश्यक देशा निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला करेली, कन्हारपूरी, तुमाकला परसदाखुर्द, बोरी, सेमरिया, हसदा, लिटिया, सेवती, हिर्री के निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के कक्षा स्तरीय योग्यता की जानकारी ली तथा बारह खड़ी, इमला, पहाड़ा, धाराप्रवाह हिंदी व अंग्रेजी वाचन, हैंडराइटिंग सुधार के लिए अभ्यास के संबंध में शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए।

इसी प्रकार हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल धमधा, करेली, कंहारपुरी, तुमाकला, बोरी, लिटिया, हिर्री में बोर्ड परीक्षाओं हेतु डीईओ कार्यालय से भेजे गए प्रश्न बैंक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने, 5 वर्षों के बोर्ड के प्रश्न पत्रों को हल कराने, उन प्रश्नों के आधार पर प्रति सप्ताह टेस्ट परीक्षा आयोजित करने तथा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं को विद्यार्थियो को देते हुए त्रुटियों को सुधरवाने सहित प्रायोगिक परीक्षाओ की तैयारियों के संबंध में आवश्यक निर्देश भी दिए। चिन्हांकित कमजोर बच्चों को सीमित पाठ्यक्रम से बोर्ड की तैयारी कराए जाने तथा मेघावी छात्रों को व्हाटशप ग्रुप के माध्यम से विशेषज्ञों से डाउट क्लियर करने के निर्देश भी दिए।

स्कूलों में 650 बच्चों को बांटे स्वेटर, ठंड से मिलेगी राहत

बोरी। स्वर्गीय सरबती देवी बनारसी दास फरमानिया चैरिटेबल ट्रस्ट (पेंड्रा) छत्तीसगढ़ के संचालक सुरेश फरमानिया के द्वारा ,शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक हायर सेकेंडरी नवागांव, प्राथमिक शाला सिलतरा और प्राथमिक शाला डोमा के लगभग 650 बच्चों को नवागांव (पुरदा) स्कूल में स्वेटर वितरण किया गया। सर्दी के मौसम में बच्चों को स्वेटर मिलने से बच्चे बहुत ही आनंदित हो उठे। ट्रस्ट के संस्थापक ने बच्चों को अपनी संस्था के बारे मे विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि हमारी संस्था द्वारा सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को स्वेटर के अलावा पुस्तक, कॉपी, पेन, पेंसिल, स्कूल बैग विगत कई वर्षों से दिया जा रहा है। शाला परिवार के तरफ से सम्मान स्वरूप शाल,श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में दिनेश कुमार साहू (संकुल समन्वयक) हिर्री, प्राचार्य रागिनी टोनपे, मनोज कुमार मरकाम (शिक्षक) पेंड्रावन, भीखम साहू (सरपंच) नवागांव, त्रिभुवन वर्मा (उपसरपंच) नवागांव, तोमन लाल देशमुख (व्याख्याता), प्रधान पाठक (डोमा) मिलेश्वर देशमुख, प्रधान पाठक (सिलतरा) ताम्रध्वज ठाकुर, प्रधान पाठक (नवागांव) शैलेन्द्र पारकर, अजय कतलम एवं ग्राम के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एक ही रात में दो मंदिरों को चोरों ने बनाया निशाना

हरिभूमि न्यूज ⏭कुम्हारी

एक ही रात में चोरों ने नगर के दो मंदिरों को अपना निशाना बनाया। वार्ड क्रमांक 15 स्थित श्री शनि देव मंदिर में अज्ञात चोरों द्वारा मंदिर के मुख्य द्वार का ताला एवं दान पेटी का ताला काट कर दान पेटी में रखी हुई दान के राशि की रकम 10,000 रूपये को चोरी कर ले गए, साथ ही एक दान पेटी भी चुराकर साथ ले गए। वहीं वार्ड क्रमांक 14 स्थित हनुमान मंदिर में भी चोरों ने दानपेटी तोड़कर राशि चुरा ली और दानपेटी को तोड़कर पास के गार्डन में फेंक दिया। मंदिर में हुई इस चोरी की घटना से वार्डवासियों में खासी नाराजगी है। इस घटना की जानकारी मिलते की वार्ड 15 के पार्षद अनुराग गुप्ता ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय थाना प्रभारी को दी। थाना प्रभारी ने मंदिर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। चूंकि मंदिर में सीसी टी वी कैमरा नही है इसलिए कोई भी जानकारी नही मिल पाई। पार्षद अनुराग गुप्ता ने बताया कि इसके पूर्व विगत वर्ष भी वार्ड 15 के इसी मंदिर परिसर स्थित हनुमान जी की प्रतिमा से 90 ग्राम चांदी की माला चोरों द्वारा चोरी की जा चुकी है। लगता है नगर में चोरों के हौसले बुलंद है बंद घरों का ताला तोड़कर पूर्व में भी कई चोरियां हो हुई हैं जिनकी अभी तक पतासाजी नहीं हो पाई है रिहायशी क्षेत्रों में रात्रि कालीन पुलिस गश्त की व्यवस्था दुरुस्त की जाने की आवश्यकता है। देर रात तक जगह जगह लोगों का जमावड़ा जिसपर कभी कार्यवाही ही नही होती। फिलहाल मंदिर में हुए इस घटना को लेकर वार्डवासियों में खासी नाराजगी है।

जीवन से गहरा रिश्ता है इत्र, मित्र और चरित्र का

निकुम। श्री सिद्ध पीठ दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर प्रांगण बाजार चौक निकुम में राधा रमण महिला मंडली निकुम की 51 महिलाओं द्वारा व ग्रामीणों के सहयोग से श्री मद भागवत महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। यहां कांकेर से पहुंचे वाचक पंडित तोरण शर्मा ने कहा कि इत्र कपड़ों में सुगंध पैदा करता है, मित्र जीवन में सुगंध पैदा करता है, चरित्र जीवन को महापुरुषों की तरह महान बनाता है और महान चरित्र वालों का चित्र हर हृदय पर अंकित होता है। 31 दिसम्बर को तुलसी वर्षा और गोधूलि बेला श्रीमद भागवत की शोभा यात्रा घर घर आंगन में दिया जलाकर स्वागत होगा राधा रमण महिला मंडली समिति निकुम अध्यक्ष लुमेश्वरी बेलचंदन व उपाध्यक्ष सुनीता बेलचंदन ने बताया कि 1 जनवरी गुरुवार प्रदोष व्रत पर्व पर नए वर्ष पर हनुमान मंदिर प्रांगण मंदिर में पूर्णाहुति यज्ञ सहित भक्तिमय के साथ पूरे हर्ष उल्लास के महा भंडारा होगा। जिसमें समिति के पूरी महिला टीम सहित ग्रामीण साथ मिलकर सहयोग करेंगे।

ई-नीलामी सूचना

(अग्निप्रस्त भवन निर्माण सामग्री, छत की चादरें, इस और संयंत्र एवं मशीनरी का स्क्रॉप) इच्छुक खरीदारों से ई-नीलामी के लिए फॉर्म आमंत्रित किए जाते हैं। यह बिक्री "जैसा है जहाँ है" के आधार पर, प्रति किलोग्राम के हिसाब से स्क्रैप के लिए की जाएगी। इसमें शामिल हैं: I) अग्निप्रस्त भवन निर्माण सामग्री, II) छत की चादरें और इस्पात और III) मशीनरी (सर्वेक्षण मैक इस्ला द्वारा किया गया), जो मेसर्स श्री साईं इंडस्ट्रीज, ग्राम मुरलीडीह, चावल मिल के सामने, डाकघर: अहिरवाड़ा, जिला: दुर्ग, छत्तीसगढ़-490002 की हैं। इनका निरीक्षण 01/01/26 से 10/01/26 के बीच श्री राजू (9910355611) से पूर्व नियुक्ति लेकर किया जा सकता है। ई-नीलामी 12/01/26 को आयोजित की जाएगी। ई-नीलामी फॉर्म के लिए, खुशी से मोबाइल नंबर 9990857386 पर संपर्क करें।

साल्वर सेटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता)

पता: 203, द्वितीय तल, उषा किरण बिल्डिंग, आजादपुर वाणिज्यिक परिसर आकाश सिनेमा के पास दिल्ली - 110033
या वेबसाइट से डाउनलोड करें :
www.salvorsettlers.com
ई-नीलामी फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 12/01/26 दोपहर 12:30 बजे से पहले है।

बिजनेस न्यूज

सुमीत बाजार की वूलन महासेल शुरू, ग्राहकों को मिल रहे बंपर डिस्काउंट

भिलाई। विंटर सीजन को खास और किफायती बनाने प्रदेश की सबसे बड़ी रिटेल चेन सुमीत बाजार की ओर से वूलन महासेल की शानदार शुरुआत की गई है। इस महासेल में ग्राहकों को वूलन कपड़ों की आकर्षक और ट्रेंडी रेंज के साथ जबरदस्त ऑफर्स और बेहतरीन डील्स का लाभ मिल रहा है।

सर्दी के मौसम में फैशन और जरूरत दोनों को ध्यान में रखते हुए सुमीत बाजार ने सभी आयु वर्ग के ग्राहकों के लिए विशेष कलेक्शन पेश किया है। ऑफर्स की बात करें तो चार वूलन आइटम्स की खरीदी पर 50 प्रतिशत, तीन आइटम्स पर 40 प्रतिशत और दो आइटम्स पर 30 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इन ऑफर्स पर नियम व शर्तें लागू हैं। इसके साथ ही सुमीत बाजार स्टोर्स में ईयर एंड सेल के तहत अन्य कई प्रोडक्ट्स पर भी अतिरिक्त लाभ दिए जा रहे हैं। सुमीत बाजार में विंटर सीजन को लेकर ग्राहकों की खासी भीड़ देखने को मिल रही है। यहां स्वेटर, स्वेटशर्ट, हुडीज, जैकेट्स, विंडशीटर, कार्डिगन, वूलन गर्ल्स टॉप, शॉल, स्टोल, मफलर, हैंड ग्लव्स, टोपी और थर्मल वियर सहित

विंटर वियर की विस्तृत और आकर्षक रेंज उपलब्ध है। इसके अलावा साड़ी, कुर्ती, टी-शर्ट, जींस, शर्ट, ट्राउजर्स, सूटिंग-शर्टिंग, सलवार सूट के साथ-साथ गृह उपयोगी वस्तुएं, सजावट और फर्निशिंग आइटम्स की भी बड़ी रेंज ग्राहकों को मिल रही है। पुरुषों, महिलाओं, किशोरों और बच्चों के लिए लेटेस्ट फैशन कलेक्शन के साथ सुमीत बाजार इस सर्दी को स्टाइलिश और बजट फ्रेंडली बनाने में जुटा हुआ है।

जगजीवन आयुर्वेद

धातु की कमी, नामर्दी उत्तेजना की कमी, लिंग में छोटापन, ढीलापन, पतलापन, टाईमिंग की कमी, शुगर से सेक्स में कमी, शुक्राणु की कमी संतान न होना, आदि सभी गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाता है.

आज ही गारंटी से इलाज कराएँ

शॉप नं. C11, महालक्ष्मी मार्केट, टॉकीज के नीचे, पुलगाँव चौक, दुर्ग
मो. 7869433660, 9399486858

Name Change

It is informed to the general public, that I RISHA D/O NARENDRA SINGH VINAYAK resident of H.N. 12, St. 02, VIDHYA VIHAR COLONY NEHRU NAGAR BHILAI Dist-Durg Chhattisagarh. have changed my old name to RISHA SINGH CHAUHAN W/O SUSHANT SINGH CHAUHAN, so in future I should be recognised by my New Name RISHA SINGH CHAUHAN W/O SUSHANT SINGH CHAUHAN in all Government and other Documents.

RISHA SINGH CHAUHAN
H.N. 12 St. 02,
VIDHYA VIHAR COLONY
NEHRU NAGAR BHILAI
Dist- Durg (C.G.)

Happy New Year 2026

नई शुरुआत, नए संकल्प और बेहतर भविष्य की ओर एक कदम

समय निरंतर बहने वाली वह धारा है, जो न कभी रुकती है और न ही पीछे मुड़कर देखती है। इसी समय के प्रवाह में जब एक वर्ष समाप्त होता है और नया वर्ष आरंभ होता है, तो उसे हम नववर्ष के रूप में मनाते हैं। नववर्ष केवल तारीख बदलने का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन, आत्मसुधार और आत्मविश्वास के साथ जीवन को नई दिशा देने का अवसर है। यह वह क्षण होता है जब बीते कल की स्मृतियाँ और आने वाले कल की आशाएँ एक साथ हमारे मन में दस्तक देती हैं। नववर्ष हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो हर नया दिन एक नई शुरुआत बन सकता है।

सामयावधि	11 माह	11 माह	11 माह	11 माह	11 माह
मासिक किश्त	500	1,000	2,000	5,000	10,000
कुल जमा राशि	5,500	11,000	22,000	55,000	1,10,000
बोनस लाभ	500	1,000	2,000	5,000	10,000
कुल राशि	6,000	12,000	24,000	60,000	1,20,000

नववर्ष का महत्व

नववर्ष का मानव जीवन में विशेष महत्व है। यह हमें बीते वर्ष के अनुभवों को समेटने और उनसे सीख लेने का अवसर देता है। हर व्यक्ति के लिए बीता वर्ष अलग-अलग अनुभव लेकर आता है—किसी के लिए सफलता, किसी के लिए संघर्ष, किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए पीड़ा। लेकिन जीवन की यही विविधता हमें मजबूत बनाती है। नववर्ष हमें यह सिखाता है कि असफलताओं से निराश न होकर उन्हें सीढ़ी बनाकर आगे बढ़ा जाए।

भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में नववर्ष केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और आशाओं का संगम है। लोग नए कपड़े पहनते हैं, एक-दूसरे को बधाइयाँ देते हैं, मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों में जाकर ईश्वर से सुख-शांति की कामना करते हैं। यह दिन सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को भी मजबूत करता है।

बीते वर्ष का आत्ममंथन

नववर्ष का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आत्ममंथन है। यह समय हमें यह सोचने का अवसर देता है कि बीते वर्ष हमने क्या खोया और क्या पाया। कौन-सी गलतियाँ दोहराईं और कौन-सी सफलताएँ हासिल कीं। आत्ममंथन हमें आत्मसुधार की ओर प्रेरित करता है। यदि हम अपनी कमजोरियों को पहचान लें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें, तो नया वर्ष वास्तव में नया बन सकता है।

आज के दौर में लोग अक्सर व्यस्तता के कारण अपने लिए समय नहीं निकाल पाते। नववर्ष वह अवसर है जब हमें कुछ पल स्वयं के साथ बिताने चाहिए, अपने मन से प्रश्न पूछने चाहिए और ईमानदारी से उनके उत्तर खोजने चाहिए। यही प्रक्रिया हमें मानसिक रूप से सशक्त बनाती है।

नववर्ष और संकल्प

नववर्ष को संकल्पों का पर्व भी कहा जाता है। इस दिन लोग अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नए संकल्प लेते हैं—जैसे स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, समय का सही उपयोग करना, नशे से दूर रहना, पर्यावरण की रक्षा करना, ईमानदारी से काम करना और समाज के कमजोर वर्ग की सहायता करना। हालाँकि, अक्सर देखा जाता है कि संकल्प केवल कुछ दिनों तक ही टिक पाते हैं। यदि संकल्पों को व्यवहार में उतारना है, तो उन्हें छोटे-छोटे कदमों में अपनाना होगा। सच्चा संकल्प वही होता है, जो दिखावे के लिए नहीं बल्कि आत्मिक परिवर्तन के लिए लिया जाए।

नववर्ष और पारिवारिक जीवन

नववर्ष पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का भी अवसर है। आधुनिक जीवनशैली में परिवार के सदस्य एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते। नववर्ष पर परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, बातचीत करना और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना रिश्तों में नई ऊर्जा भर देता है। यह समय है पुराने मतभेद भुलाकर नए सिरे से रिश्तों की शुरुआत करने का। जब परिवार मजबूत होता है, तो समाज और राष्ट्र भी मजबूत बनता है।

नववर्ष और समाज

नववर्ष केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक महत्व भी है। एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें यह सोचना चाहिए कि हम समाज के लिए क्या कर सकते हैं। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सद्भाव—ये सभी क्षेत्र ऐसे हैं, जहाँ हम छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यदि हर नागरिक नववर्ष पर यह संकल्प ले कि वह समाज के लिए कुछ सकारात्मक करेगा, तो देश की तस्वीर बदल सकती है। नववर्ष हमें सामाजिक जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराता है।

युवा वर्ग और नववर्ष

युवा वर्ग किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत होता है। नववर्ष युवाओं के लिए नए सपने देखने और उन्हें पूरा करने का अवसर है। यह समय है अपने लक्ष्य तय करने का, अपने कौशल को निखारने का और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का। आज के युवा यदि सकारात्मक सोच, अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ें, तो न केवल उनका भविष्य उज्ज्वल होगा, बल्कि देश भी प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा।

नववर्ष और संस्कृति

भारत में नववर्ष विभिन्न रूपों में मनाया जाता है—कहीं चैत्र नववर्ष, कहीं बैसाखी, कहीं गुड़ी पड़वा। यह विविधता हमारी संस्कृति की खूबसूरती को दर्शाती है। हर क्षेत्र में नववर्ष का उत्सव नए उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है।

नववर्ष और आत्मविश्वास

नववर्ष हमें आत्मविश्वास से भर देता है। यह विश्वास कि चाहे बीता वर्ष जैसा भी रहा हो, आने वाला वर्ष बेहतर हो सकता है। आत्मविश्वास के साथ किए गए प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाते। यदि हम सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास को अपना लें, तो हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

भविष्य की ओर आशावादी दृष्टि

नववर्ष भविष्य की ओर देखने का अवसर है। यह हमें सिखाता है कि अतीत में अटके रहने के बजाय वर्तमान में जीते हुए भविष्य को संवारें। आशावादी दृष्टि हमें कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की शक्ति देती है।

हरिभूमि

गुजरता साल 2025

रायपुर, बुधवार 31 दिसंबर 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

04

पार्टी में स्टाइल करें ये वेस्टर्न आउटफिट्स, लगेंगी खूबसूरत

2026 कई मायनों में है खास संयोग 50 साल बाद

ज्योतिषाचार्यों की मानें तो यह साल हर राशि के लिए ला रहा शुभ संकेत ग्रहों की चाल लेकर आ रही सकारात्मक ऊर्जा, पढ़िए आज का विशेष अंक

शुभ संयोगों से सजा रहेगा नया साल, 17 मई से 15 जून तक पुरुषोत्तम मास, पहले 6 माह हर त्योहार 10 दिन पहले पड़ेंगे, संक्रांति 15 जनवरी को

संगीता मिश्रा / भिलाई। नया साल 2026 धार्मिक आस्था, व्रत-त्योहारों और शुभ मुहूर्तों की दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। वर्ष की शुरुआत मकर संक्रांति और वसंत पंचमी से होगी, जबकि दीपावली, नवरात्रि, होली और छठ जैसे बड़े पर्व सालभर श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बनाए रखेंगे। वहीं विवाह, गृह प्रवेश और नए कार्यों के लिए भी 2026 में कई शुभ अवसर बनेंगे। वहीं इस साल पुरुषोत्तम मास 17 मई से शुरू होकर 15 जून तक रहेगा। साथ ही 2025 की तुलना में इस बार होली 10 दिन पहले तो दिवाली 17 दिन बाद आएगी। नववर्ष शादी-विवाह के लिए शुभ योगों से भरपूर रहेगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष कई ऐसे अवसर बनेंगे, जब बिना किसी पंचांग दोष के विवाह संपन्न किए जा सकेंगे। विशेष रूप से अबूझ मुहूर्तों के कारण लोगों को अलग से शुभ समय देखने की आवश्यकता नहीं होगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 2026 धार्मिक दृष्टि से विशेष फलदायी रहेगा। इस वर्ष शुभ योगों में किए गए कार्य लंबे समय तक स्थिरता और सफलता देंगे।

मकर संक्रांति इस बार 15 जनवरी को ज्यादा बदलाव नहीं

आचार्य संदीप तिवारी ने बताया कि महावीर पंचांग के अनुसार मकर संक्रांति सूर्य (सौर वर्ष) पर आधारित पर्व है इसलिए इस बार 15 जनवरी को ही संक्रांति मनाई जाएगी, जो अत्यंत लाभकारी होगा। जिसका पुण्यकाल 14 जनवरी की रात 9 बजकर 19 मिनट पर शुरु होगा, जिसके साथ ही सूर्य उत्तरायण हो जायेगे, और खारवास समाप्त हो जाएगा। इस कारण 15 को ही संक्रांति मनाई जायेगी। सूर्य चक्र के अनुसार कई बार संक्रांति 15 जनवरी को मनाई जाती है।

2026 में पहले 6 माह त्योहार 10 दिन पहले, फिर 18 दिन की देरी से

यूं तो हर साल त्योहारों की तिथियों में बदलाव होता है, लेकिन 2026 हिंदी पंचांग के महीनों के हिसाब से अधिकमास वाला साल होगा। इस साल दो ज्येष्ठ माह होने से यह साल 13 महीने का होगा। इस कारण शुरू के 6 माह में वर्ष 2025 की तुलना में अधिकांश त्योहार 10 दिन पहले और बाद के 6 माह में होने वाले त्योहार 16 से 18 दिन तक की देरी से आएंगे। 2025 में होली 14 मार्च को थी, पर 2026 में यह 4 मार्च को होगी। इसी तरह 2025 में दीपावली 20 अक्टूबर के थी, अब अगले वर्ष 8 नवंबर को यानी 17 दिन की देरी से आएगी। त्योहारों की तिथियों को देखने के बाद ही परीक्षाओं के टाइम-टेबल तैयार होते हैं।

मिनी इंडिया भिलाई जहां हर प्रदेश के त्योहार मनाए जाते हैं सामूहिक रूप से

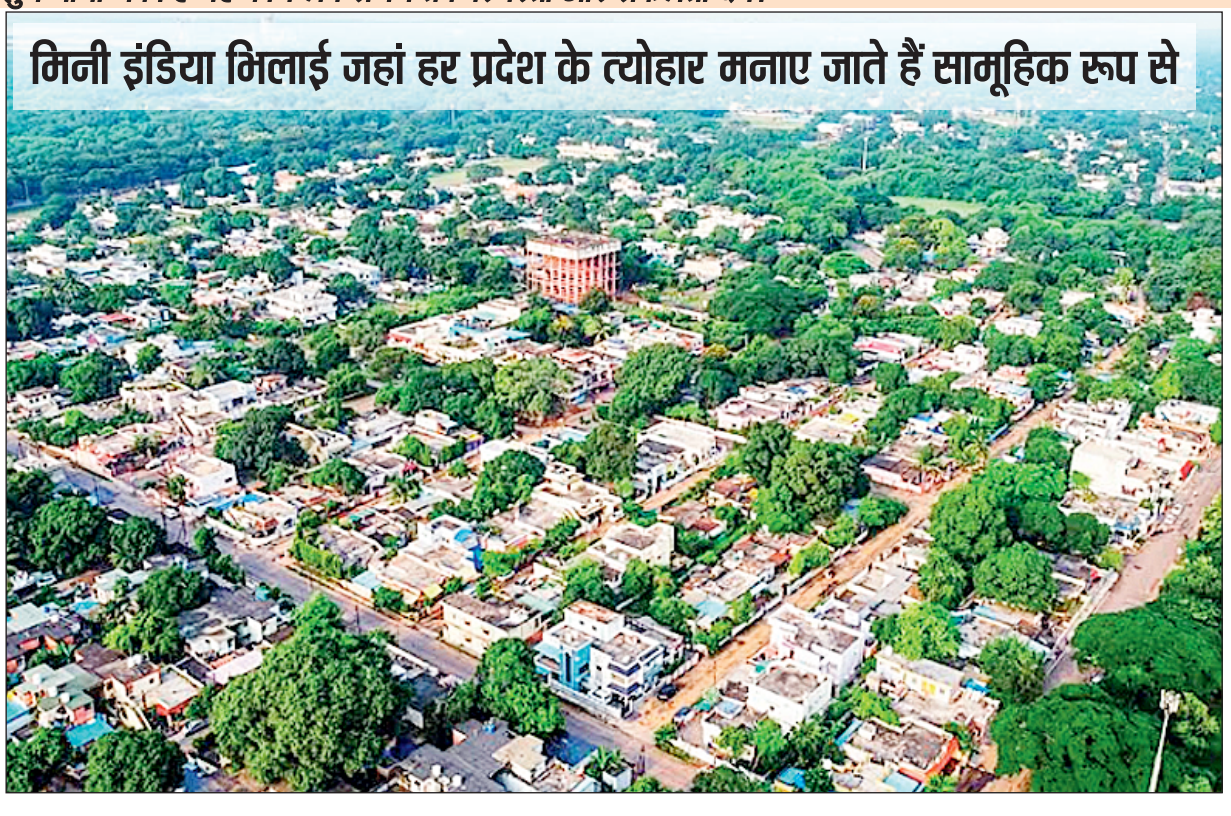

2026 में प्रमुख शुभ मुहूर्त

गृह प्रवेश एवं भूमि पूजन

गृह प्रवेश के लिए बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया, दशहरा और देवउठनी एकादशी को सर्वोत्तम माना गया है। इन दिनों पंचांग दोष नहीं होते, इसलिए अलग मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती।

यात्रा और नए कार्य का शुभ समय

नए व्यापार, नौकरी जॉइनिंग, वाहन खरीद और लंबी यात्रा के लिए पुष्य नक्षत्र, रवि पुष्य योग और गुरु पुष्य योग 2026 में विशेष फलदायी रहेंगे। ज्योतिष विशेषज्ञों के अनुसार, इन योगों में किया गया कार्य लंबे समय तक सफलता देता है। जो इस साल लोगों को उत्साहित करेगा।

ज्योतिषीय दृष्टि से नया साल क्यों रहेगा खास

पंडितों के अनुसार 2026 में गुरु और शनि का राशि परिवर्तन समाज, अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत जीवन पर गहरा प्रभाव डालेगा। धार्मिक आयोजनों, व्रत-उत्सव और कथा-पुराणों के प्रति लोगों की आस्था और बढ़ेगी। लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का लाभ मिलेगा।

2026 विवाह के लिए प्रमुख अबूझ शुभ मुहूर्त

नए साल में विवाह के लिए जनवरी, फरवरी, अप्रैल, मई, जून और नवंबर महीने विशेष शुभ रहेंगे।

जनवरी-फरवरी: मकर और कुंभ राशि में सूर्य रहने से कई सर्वार्थसिद्ध योग बनेंगे।

अप्रैल-जून: अक्षय तृतीया व विवाह पंचमी जैसे अबूझ मुहूर्त रहेंगे।

नवंबर: देवउठनी एकादशी के बाद विवाह का श्रेष्ठ समय रहेगा।

अक्षय तृतीया, विवाह पंचमी और देवउठनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त रहेगा। इन दिनों बिना पंचांग दोष के विवाह किए जा सकेंगे। विशेषज्ञ कुंडली अनुसार मुहूर्त तय करने की सलाह देते हैं।

वे त्योहार... जो 9 से 10 दिन पहले आएंगे

त्योहार	2025 में	2026 में	इतने पहले
मौनी अमावस्या	29 जनवरी	18 जनवरी	10 दिन
वसंत पंचमी	3 फरवरी	23 जनवरी	10 दिन
महाशिवरात्रि	26 फरवरी	15 फरवरी	10 दिन
होली	14 मार्च	3 मार्च	10 दिन
गुड़ी पड़वा	30 मार्च	19 मार्च	10 दिन
राम नवमी	6 अप्रैल	27 मार्च	09 दिन
महावीर जयंती	10 अप्रैल	31 मार्च	09 दिन
हनुमान जयंती	12 अप्रैल	2 अप्रैल	10 दिन
अक्षय तृतीया	30 अप्रैल	20 अप्रैल	09 दिन
बुद्ध पूर्णिमा	12 मई	01 मई	10 दिन
गंगा दशहरा	5 जून	26 मई	09 दिन

2026 में मलमास ... वह त्योहार जिनका आगमन 10 दिन पहले

त्योहार मौनी अमावस्या महाशिवरात्रि

इस नए साल में सभी बड़े पर्व शुक्रवार को ही

बाबूलाल कैलेंडर के अनुसार इस 2026 में कई छोटे बड़े पर्व शुक्रवार के दिन पड़ेंगे। जिसकी शुरुआत 15 जनवरी मकर संक्राति और 23 जनवरी को वंसत पंचमी से होगी जो शुक्रवार को पड़ेगा। 20 मार्च ईद उल फितर शुक्रवार, 1 मई बुद्ध पूर्णिमा, 26 जून मुहर्रम, 28 अगस्त रक्षाबंधन, 4 सितंबर जन्माष्टमी, 25 सितंबर अनंत चतुर्दशी, 2 अक्टूबर गांधी जयंती, 6 नवंबर धनतेरस, 13 नवंबर छठ पूजा, 25 दिसंबर क्रिसमस यह सभी पर्व शुक्रवार के दिन आयेंगे।

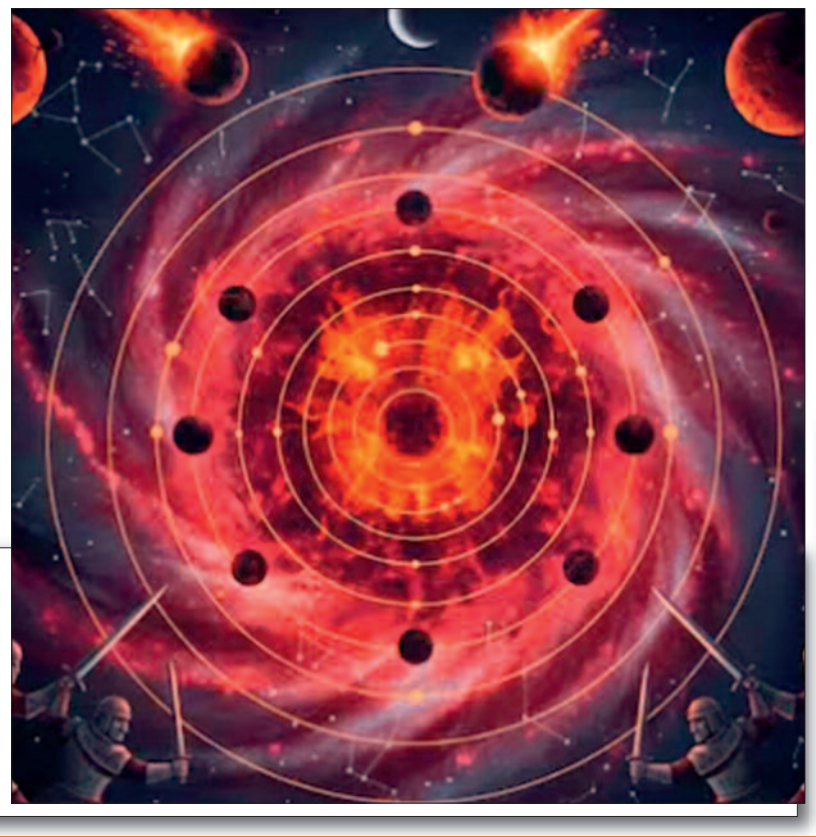

वे त्योहार, जिनकी 10 से 18 दिनों की होगी देरी

त्योहार	2025 में	2026 में	कितने बाद
जगन्नाथ रथ यात्रा	27 जून	16 जुलाई	18 दिन
चातुर्मास प्रारंभ	06 जुलाई	25 जुलाई	18 दिन
रक्षा बंधन	09 जुलाई	28 जुलाई	18 दिन
कृष्ण जन्माष्टमी	16 अगस्त	4 सितंबर	17 दिन
गणेशोत्सव	27 अगस्त	14 सितंबर	16 दिन
शारदीय नवरात्र	22 सितंबर	11 अक्टूबर	18 दिन
दशहरा	2 अक्टूबर	21 अक्टूबर	18 दिन
दीपावली	20 अक्टूबर	8 नवंबर	18 दिन

हर तीन साल में अधिकमास जिससे आता है अंतर

आचार्य संदीप तिवारी के अनुसार हिंदू त्योहार चंद्रमा की स्थिति व उसकी गति पर आधारित होते हैं और चंद्र वर्ष 354 दिन का होता है, जबकि सौर वर्ष के 365 दिन होते हैं। इस अंतर को हटाने के लिए हर तीन साल में अधिकमास होता है, जिस कारण पर्वों की तिथियों में पिछले सालों की तुलना में काफी दिनों का अंतर आ जाता है। इस अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। अधिक मास 17 मई से शुरू होकर 15 जून को समाप्त होगा। इस महीने को भगवान विष्णु को समर्पित मानते है जिसमें पूजा-पाठ, दान-धर्म, व्रत, मंत्र जप और तीर्थस्नान विशेष फलदायी माना जाता हैं।

सिटी इवेंट

रतन मुनि महाराज के तृतीय पुण्य स्मृति में हुआ महाभंडारा, आज जप अनुष्ठान

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में भगवान के रुप में पूजे जाने वाले जैन साधु लोक मान्य संत रतन मुनि महाराज के तृतीय पुण्य स्मृति दिवस के पहले दिन पुराना बस स्टैंड दुर्ग में विशाल भंडारा का आयोजन श्रमण संघ परिवार दुर्ग की ओर से किया गया। जिसमें श्रमण संघ परिवार के युवा समुदाय, निर्मल बाफना और मदनलाल छाजेड़ परिवार उपस्थित रहे। रतन मुनि महाराज के तृतीय पुण्य स्मृति दिवस पर विशाल भंडारे में पांच हजार से अधिक लोगों ने भंडारे में भोजन प्रसादी ग्रहण किया। मंगलवार को जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग में सामूहिक सामायिक और गुणानुवाद सभा आयोजित की गई। जिसमें गुरु के साथ बिताए लम्हों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि व्यक्त किया गया।

आयोजन में श्रमण संघ परिवार के अलावा श्रमण संघ स्वध्याय मंडल, श्रमण संघ बालिका मंडल का सहयोग रहा। बुधवार की सुबह रतन मुनि के समाधि स्थल मंगल साधना केन्द्र मंगलम में जप अनुष्ठान आयोजित किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ युवा श्रमण संघ और श्रमण संघ स्वध्याय मंडल के सदस्य मंगल साधना केन्द्र मंगलम में उपस्थित रहेंगे।

कार्नर न्यूज

हमारे भविष्य का चित्र जितना स्पष्ट होगा, जीवन का लक्ष्य उतना ही जल्दी साकार होगा

आओ मन से पुरानी बातों को विदाई दें... कारण शब्द को निवारण में करें परिवर्तित, व्यर्थ विचारों को दूर कर कराया राजयोग मेडिटेशन

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आओ मन से पुरानी बातों को विदाई दें, ताकि नए वर्ष में स्व परिवर्तन कर सकें का आयोजन किया। नए साल में नई शक्ति स्वयं में धारण करने के लिए विशेष प्रोजेक्ट का उद्घाटन सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में राजयोग सत्र के बाद भिलाई की सभी ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने "आओ मन से पुरानी बातों को विदाई दें" प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि कारण शब्द को निवारण में परिवर्तन करना है, इस नए वर्ष में हमें हर एक में कमियां दिखाई देगी कि वो ऐसा है, वैसा है, लेकिन हमें इन्हीं कारणों को निवारण में परिवर्तन करना है, ये कितने अच्छे हैं, यह परमात्मा की श्रेष्ठ रचना है, हर एक में अच्छाई को देखकर कारण शब्द का निवारण कर हमें नए वर्ष में श्रेष्ठ और स्वंय में परिवर्तन करना है। आशा बहन ने बताया कि संतुष्टता दुआओं को बढ़ाती है, संकल्प बोल और कर्म में स्वयं भी संतुष्ट और सभी लोग भी संतुष्ट रहे। हमें बैंक का खाता नहीं बल्कि जीवन में पुण्य और दुआओं का खाता बढ़ाना है।

व्यर्थ विचारों का एंटीवायरस राजयोग मेडिटेशन

राजयोग मेडिटेशन ही हमारे मन में आने वाले व्यर्थ विचारों का एंटीवायरस है। उन्होंने सभी बच्चों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए कहा कि जितना स्पष्ट चित्र होगा, हमारे भविष्य के लक्ष्य को भी अपने जीवन में साकार होते देखेंगे, हमें बस मेहनत करना है और व्यर्थ से बचना है। आशा बहन ने बताया कि श्रेष्ठ संकल्प की कलम से अपना श्रेष्ठ भविष्य का चित्र अपने सामने लाओ। ऐसे छोटे-छोटे राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास द्वारा सभी बच्चे उमंग उत्साह से तनावमुक्त होकर से परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

निगेटिव बातें बुद्धि के लिए वायरस

वही रिसाली मैत्री कुंज स्थित प्रभु प्राप्ति भवन में हर रविवार को आयोजित कक्षा आठवीं से लेकर 12वीं तक के बच्चों के लिए मन की शक्ति से विजय कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी ने बच्चों को बताया कि निगेटिव और व्यर्थ विचार हमारे मन बुद्धि के लिए वायरस है जो हमें थकाती है, जिससे बचने के लिए हमें श्रेष्ठ विचारों की उत्पत्ति करना है जैसे कुछ खरीदने से पहले हम नेट में चेक करते हैं दूसरों से पूछते हैं ठीक वैसे ही अपने विचारों को भी हमें स्वयं ही चेक करना है जिससे हमारी रचनात्मकता और शक्ति बढ़ती है।

सिटी इवेंट

मनखे-मनखे एक समान का विचार विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला : ललित

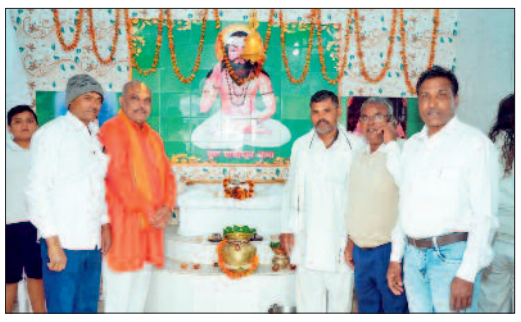

दुर्ग। ग्राम चंदखुरी और करगाडीह कोलिहापुरी में बाबा गुरु घासीदास जयंती व मंडाई मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर थे। विधायक ने जैतखाम गुरुगद्दी व बाबा गुरु घासीदास के तैल चित्र पर पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। साथ ही समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक लोगों का सम्मान किया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक थे। उनका अमर संदेश मनखे-मनखे एक समान सामाजिक समानता, मानवीय गरिमा और भाईचारे की सुदृढ़ नींव रखता है। उन्होंने कहा कि जिस दौर में समाज छुआछूत, भेदभाव और रूढ़ियों से जकड़ा हुआ था, उस समय बाबा गुरु घासीदास ने सत्य, अहिंसा और समानता का निर्भीक संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ साय सरकार संत गुरु घासीदास बाबा के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और न्याय पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान जनता की मांग को सहजता स्वीकार करते हुए कोलियापुरी में सतनाम भवन व डोम शेड निर्माण की घोषणा की। साथ ही ग्राम करगाडीह में यादव समाज के लिए सामुदायिक भवन, सतनाम महिला समिति के द्वारा वाद्य यंत्र के स्वेच्छा अनुदान, साक्षी की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता राशि की घोषणा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य व सभापति श्रद्धा साहू, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, सरपंच करण सेन, उतई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, सरपंच करण सेन, उपसरपंच रूपेंद्र साहू, पूर्व सरपंच धनश्याम गजपाल, पूर्व सरपंच संतोष सोनवानी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

भिलाई। आंध्र साहित्य समिति के तत्वावधान में सेक्टर 5 स्थित बालाजी मंदिर में धनुर्मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को वैकुंठ एकादशी उत्सव विशाल जनसमुदाय के बीच धार्मिक सद्भाव से मनाया गया। दक्षिण भारत में इसे मुक्कोटि एकादशी भी कहा जाता है। बालाजी मंदिर और गणेश मंदिर के बीच बना वैकुंठ द्वार (उत्तर द्वार) ब्रह्ममुहूर्त में ही खुल गया था। सबसे पहले पंडित गोपालाचारी के सान्निध्य में विशेष रूप से सुसज्जित श्रीविष्णु के अवतारी भगवान बालाजी, माताओं श्रीदेवी-भूदेवी के उत्सव विग्रहों को मंडप के बीचों बीच स्थापित किया गया। उसके बाद उनकी वैदिक विधि विधान से पूजा-अर्चना की गई। पूजा के पश्चात वैकुंठ द्वार को भक्तों के प्रवेश के लिए खोल दिया गया।

गुजरता साल 2025

बालाजी मंदिर में मना वैकुंठ एकादशी उत्सव

धनुर्मास की वैकुंठ एकादशी पर ब्रह्ममुहूर्त में खुले उत्तर द्वार, वैदिक विधि से पूजा-अर्चना

उत्तर द्वार से गुजरने से मिलता है वैकुंठ धाम

धार्मिक मान्यता है कि इस द्वार से गुजरने वाले को वैकुंठ धाम (स्वर्ग) की प्राप्ति होती है। इसलिए भक्तगणों ने इसी द्वार से भीतर प्रवेश करते हुए सबसे पहले श्रीविष्णु, श्रीदेवी-भूदेवी के दर्शन किए और उसके बाद परिसर में स्थित तीनों मंदिरों में माथा टेकने के बाद दक्षिण द्वार से बाहर की ओर प्रस्थान किया। उत्सव की तैयारियां काफी पहले से की गई थीं। उत्सव को देखते हुए मंदिर परिसर में स्थित मुख्य मंदिर के साथ-साथ, श्रीदेवी और भूदेवी के मंदिरों को भी फूलों के आकर्षक तोरणों से सजाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए अध्यक्ष पीवी राव और सचिव पीएस राव ने असुविधा, भीड़भाड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए जगह-जगह वालंटियर तैनात किए थे।

कन्नड़ भवन तक लगी भक्तों की कतार

भीड़ का आलम यह था कि भक्तगण कन्नड़ भवन तक कतार में थे। इधर बालाजी मंदिर और गणेश मंदिर के बीच की तीनों गैलरियां भी श्रद्धालुओं से खचाखच भर गई थीं। वैकुंठ द्वार (उत्तर द्वार) से प्रवेश करने तथा महाविष्णु के दर्शन में कोई असुविधा न हो, इसके लिए समिति के पदाधिकारी के सुब्बाराव, टीवीएन शंकर, एनएस राव, के लक्ष्मीनारायण और एस रवि कड़ी नजर रखे हुए थे। अध्यक्ष पीवी राव ने कहा कि वैकुंठ एकादशी का विशेष महत्व है, इस दिन दर्शन करने से श्रीविष्णु की कृपा हमेशा बनी रहती है। सचिव पीएस राव ने मंदिर में जुटी भक्तों की भीड़ को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि श्रीविष्णु के दर्शन से हमारे सभी पाप मिट जाते हैं।

एकादशी देवी की आंखों की ज्वाला से मुरासुर हुआ था भस्म

पद्मपुराण के अनुसार मुर नामक दानव के अत्याचारों से भयभीत होकर देवतागण भगवान विष्णु की शरण में गए। मुर से मुक्ति के लिए देवताओं द्वारा प्रार्थना करने पर श्रीविष्णु ने मुरासुर से युद्ध किया, जो काफी लंबा चला। उस महा शक्तिशाली राक्षस के संहार के लिए विष्णु भगवान ने दिव्यास्त्र की खोज में भद्रिकाश्रम की हैमावती नामक गुफा में पहुंचे, जहां अपनी थकान दूर करने के लिए उन्होंने कुछ देर विश्राम किया। सोते हुए श्रीविष्णु को मारने के उद्देश्य से वह गुफा में घुस गया। तभी भगवान के शरीर से दुर्गा के रूप में एक दिव्य शक्ति प्रकट हुई और उस देवी ने अपनी आंखों की ज्वाला से मुरासुर को भस्म कर दिया। तब श्रीविष्णु ने प्रसन्न होकर उस शक्ति को एकादशी नाम दिया और वरदान मांगने को कहा। एकादशी ने वरदान मांगा कि जो भी उनके प्राकट्य दिवस धनुर्मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को व्रत रख कर पूजा करेंगे, उन्हें वैकुंठ धाम की प्राप्ति होगी। तब से वैकुंठ एकादशी उत्सव मनाया जाता है।

धर्म लाइव

खेल के महाकुंभ में 4 से 13 साल के बच्चों ने दिखाया दमखम

दुर्ग। दुर्ग-भिलाई जेएसजी जैन सोशल ग्रुप एलीट द्वारा खेलों के महाकुंभ का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत चार से 13 साल के बच्चों के लिए क्रिकेट, रेस, कैरम, चेस, बैडमिंटन, क्विज, स्पून रेस, सैक रेस, रस्सा खींच आदि अनेक खेलों का आयोजन किया।

जेएसजी के वर्तमान प्रेसिडेंट अंकित बुरड़ ने बताया कि कार्यक्रम में ढाई सौ से अधिक बच्चों ने अलग-अलग खेलों में भाग लेकर इस आयोजन का आनंद लिया। विनय संकलेचा ने बताया कि बड़ों के लिए सभी तरह के कार्यक्रम होते हैं पर यह कार्यक्रम पूर्ण रूप से बच्चों के लिए था। जिससे बच्चों में खेल भावना टीम भावना आदि का विकास किया जा सके। कार्यक्रम के अंतिम दिन राजस्थानी ठाट-बाट थीम के साथ एक फन फेयर का आयोजन और विजेताओं को पुरस्कार वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में कमेटी के सेक्रेटरी नीरज लुणावत, ट्रेजरार सुयश चोपड़ा, रचित लोढ़ा, अभिषेक पांड्या, मयंक टाटिया के साथ ही प्रोग्राम डायरेक्टर विनय संकलेचा, अंकित टाटिया, ट्विंकल ख़ेमुका पारख, अंशुल बोरा अतीक बैद, योगेश कोचर सहित जीएसजी के सभी सदस्यों का योगदान रहा। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के लोगों ने बताया कि कार्यक्रम ने उनके बच्चों को एक बढ़िया मंच प्रदान किया है और अब हर साल ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

संगीतमय रामकथा का आयोजन

संसार में जो कुछ शुभ, श्रेष्ठ और मंगलमय है, सब परमात्मा की देन : आचार्य हरीश

भिलाई। जिस गुण की दूसरे लोग प्रशंसा करे, वही सच्चा गुण है और उससे सामान्य व्यक्ति भी गुणवान हो जाता है पर अपने मुंह से अपनी प्रशंसा करने से इंद्र भी लघुता को प्राप्त करता है। यह बातें पुरैना में चल रहे राम कथा के दौरान आचार्य हरिश ने कही।

संगीतमय राम कथा के दौरान कथावाचक हरीश ने हनुमान चरित्र, लंका कांड, श्रीराम राज्याभिषेक आदि प्रसंगों का विस्तार पूर्वक झांकी के माध्यम से सजीव चित्रण किया गया। राम कथा आयोजन के अंतिम दिन पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशीला साहू, पूर्व पार्षद भैरव सिंह सोनवानी, अमर साहू, समाजसेवी शिवकुमार साहू, महिला आरोग्य समिति की कोषाध्यक्ष धात्री साहू, पुनाराम चंद्राकर, रामकुमार साहू, गणेश यदु, चंदू साहू, नीलेश साहू, दीपक साहू, एवन साहू, वाणीश देसलहरे, सुमन देशलहरे सहित राधा रानी महिला सेवा समिति के एल कुमारी सहित अन्य श्रद्दालु उपस्थित थे।

पांच दिनों तक निःशुल्क व्यवस्था

हनुमंत कथा के भंडारे में दी सेवा, 15 हजार भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

भिलाई। भिलाई में आयोजित धीरेन्द्र शास्त्री के हनुमंत कथा के पंडाल में सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक प्रतिदिन पंद्रह हजार से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में रोज 150 लोगो की टीम ने दाल, चावल, सब्जी बनाकर लोगो को वितरित किया। भंडारे की पूरी व्यवस्था में जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग के सदस्यों ने सेवा की। इस दौरान भोजन शाला में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने खुद सेवा देते हुए कथा में आए हुए सभी भक्तों को भोजन वितरण किया। पूरे आयोजन में राजनांदगांव के नितिन, प्रदेश राईस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, विमलेश पांडेय, जनसेवा समर्पण समिति दुर्ग के अध्यक्ष योगेन्द्र बंटी शर्मा ने व्यवस्थाओं को संभाला था।

भंडारे में दाल, चावल सब्जी का वितरण

समाज इवेंट

कल शिवनाथ महोत्सव, गंगा आरती कर होगी भजनों की प्रस्तुति

भिलाई। 1 जनवरी को शिवनाथ महोत्सव के अवसर पर शिवनाथ तट महमरा एनीकेट शिव मंदिर के सामने दोपहर 12 बजे से शाम महाआरती तक शिवनाथ महोत्सव के संगीत उत्सव में शहर के गायक व कलाकार भजनों और फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देंगे। छत्तीसगढ़ मंच एवं दुर्ग सांस्कृतिक मंच के प्रधान संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा, अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि शिवनाथ महोत्सव के आयोजक वरुण जोशी द्वारा आयोजित शिवनाथ महोत्सव का यह 6वां वर्ष है। इस अवसर पर प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ मंच दुर्ग और शहर के कलाकारों द्वारा भजनों और फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी जाती है। इस वर्ष भी कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी।

- शहर के गायक व कलाकार देंगे प्रस्तुति
- छत्तीसगढ़ मंच का आयोजन

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की गायिका पूर्वा श्रीवास्तव, पुष्पांजलि हिरवानी, श्रीजा दलाल, तुलसी सोनी, गुलाब चौहान, मोहन चौहान, हरीश सोनी, युनुस चौहान, त्रिलोक सोनी, मदन डोंगरे, दुर्गा, महेश सोनकर, योगेश ताम्रकार, नेहाल जैन के अलावा अन्य गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। मंच के उपाध्यक्ष दिनेश जैन, कोषाध्यक्ष गुलाब चौहान, सदस्य अजय झग्गर साहू ने सभी संगीतप्रेमियों एवं शहर वासियों से संगीत उत्सव में तथा बनारस की तर्ज पर होने वाली महाआरती और आतिशबाजी का आनंद उठाने के साथ ही पुण्य कार्य में शामिल होने को कहा है।

अग्रसेन भगवान के जीवन का सजीव मंचन

वृंदावन के कलाकारों ने महाराज अग्रसेन की लीलाओं का किया संजीव मंचन, दिया संदेश

कार्नर न्यूज

भिलाई। अग्रसेन भवन दुर्ग में तीन दिवसीय अग्र महोत्सव के अंतिम दिन राधा सर्वेश्वर लीला संस्थान श्रीधाम वृंदावन के कलाकारों द्वारा अग्रसेन भगवान की लीला का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया गया। तीन दिवसीय यह आयोजन समाज की सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने और युवा पीढ़ी को जागरुक करने के उद्देश्य से किया गया था। अग्र महोत्सव के समापन अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल और महासचिव ललित सक्सेरिया, संरक्षक सुधीर अग्रवाल और कैलाश रुंगटा ने बताया कि भगवान अग्रसेन का जन्म भगवान राम के छोटे पुत्र कुश की 34वीं पीढ़ी में हुआ था। महाभारत काल में भी भगवान अग्रसेन का प्रसंग आता है। उन्होंने बताया कि भगवान अग्रसेन का जीवन अहिंसा, समाजवाद, पारिवारिक एकता का स्वरूप था इन्हीं आदर्शों को आत्मसात कर उन्होंने स्वस्थ समाज की स्थापना की।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में कमल नारायण रुंगटा, महेंद्र सक्सेरिया, राधेश्याम अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, संजय गर्ग, दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, महिला मंडल की सरिता गोयल, अनीता अग्रवाल, रूही अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, संजना पोद्दार, हिमांशु अग्रवाल, अतुल जिंदल, अनूप अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल सहित समाज के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

नाटक में भगवान अग्रसेन का तप कर मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना दिखाया

अग्र लीला की मुख्य कार्यक्रम प्रभारी महिला मंडल की ममता अग्रवाल, सुमन मोदी, सुनीता खेतान, मनीष अग्रवाल, सीमा खेमुका ने प्रस्तुति के विषय पर बताया कि भगवान अग्रसेन का तप कर मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना, भगवान भोलेनाथ को तपस्या से प्रसन्न कर आशीर्वाद प्राप्त करना, इंद्र को पराजित करने का प्रसंग सहित सभी लीलाओं का कलाकारों द्वारा संजीव मंचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में भगवान अग्रसेन की 51 दीपक से सजी थालियों से भव्य आरती की गई। जिसके बाद समाज के सभी सदस्यों ने पूरे भाव एक साथ प्रसादी ग्रहण की। अंत में श्री राधा सर्वेश्वर लीला संस्थान श्री धाम वृंदावन के कलाकारों का आभार व्यक्त किया गया।

हेल्थ टिप्स

विजय मर्चेंट ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ को बढ़त

रायपुर। बी सी सी आई द्वारा मेंस अंडर 16 विजय मर्चेन्ट मल्टी डे ट्राफी 2025 का आयोजन 7 दिसंबर से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का पांचवा मैच (29-31 दिसंबर) ग्वालियर, मध्य प्रदेश में पंजाब अंडर 16 टीम के विरुद्ध खेला गया।

दूसरे दिन के खेल में मंगलवार को पंजाब अंडर 16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 40.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 114 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से चंद्रांश यादव ने नाबाद 43 रन बनाये। अंशुमन ठाकुर ने 20 रन तथा अनिकेत कुजुर ने 15 रनों का योगदान दिया। पंजाब की ओर से शिवम मत्री ने 4 विकेट तथा जैविन ने 3 विकेट प्राप्त किये। पंजाब ने अपनी पहली पारी में 61.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 136 रन बनाये। पंजाब की ओर से अभिषेक राजपूत ने नाबाद 39 रन बनाये तथा पंजाब को पहली पारी में बढत दिलाई। उनके अतिरिक्त उपदेश्वर सिंह ने 21 रन तथा साहिबजोतवीर सिंह ने 20 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से अर्शवीर सिंह ने 4 विकेट तथा यर्थाथ सिंह चौहान ने 3 विकेट लिये। दूसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ ने अपनी दूसरी पारी में 12 ओवरों में 2 विकेट खोकर 36 रन बना लिये है। छत्तीसगढ की ओर से अनिकेत कुजुर 21 रन पर नाबाद खेल रहें है। वहीं पंजाब की ओर से अभिषेक राजपुत ने 2 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ ने 14 रनों की बढत बना ली हैं।

राज्य स्तरीय रग्बी चैंपियनशिप में जिला महासमुंद ने मारी बाज़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा 8वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सब-जूनियार अंडर-15 (बालक एवं बालिका) रग्बी सेवंस चैंपियनशिप का आयोजन 28 दिसंबर को सुबह 9:00 बजे से पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग के मैदान में किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों से बालक एवं बालिका वर्ग की 15 टीमो नें हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तम गर्ग- अध्यक्ष रोटरी क्लब, राकेश जैन- उपाध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स, मिकेश बरडिया कोषाध्यक्ष चैंबर ऑफ कॉमर्स रायपुर ने किया। बालिका वर्ग में क्रमशः रायपुर व जांजगीर- चांपा तथा महासमुंद व बिलासपुर के जिलों के बीच सेमीफाइनल खेला गया। जिसमें महासमुंद जिले की निशा, नंदिनी व जिया ने 29 अंकों से बिलासपुर से जीत हासिल कर फाइनल के लिए जगह बना ली तथा रायपुर की ज्योति ने 7 अंक लेकर जांजगीर-चांपा से जीतकर रायपुर को फाइनल में पहुंचाया। जांजगीर चांपा ने 10 अंकों से बिलासपुर से जीतकर तीसरा स्थान पा लिया। महासमुंद व रायपुर के बीच निर्णायक फाइनल मैच खेला गया जिसके विजेता 12 अंको से महासमुंद जिला बना। इसी क्रम में बालक वर्ग में क्रमशः रायपुर व कोरबा तथा महासमुंद व बालोद के जिलों के बीच सेमीफाइनल खेला गया जिसमें कोरबा ने 19-05 अंकों से रायपुर से जीत हासिल कर फाइनल के लिए जगह बना ली तथा महासमुंद 10 अंक लेकर बालोद से जीता कर फाइनल में पहुंचा। बालोद ने 17 अंकों से रायपुर से जीतकर तीसरा स्थान पा लिया। महासमुंद व कोरबा के बीच निर्णायक फाइनल मैच खेला गया जिसमें महासमुंद के अजय और विजय ने 7 अंकों से कोरबा से बढ़त लेकर महासमुंद जिले को विजेता बनाया। प्रतियोगिता का समापन में आसीम कादरी स्पोटर्स ऑफिसर आदर्श कालेज एवं चंद्रशेखर महतो रहे. निर्णयकों में आकाश वर्मा, मोहन तिवारी, मुस्कान कुरैटी तथा टेबल आफिशियल अनुकृति साहू व नंदिनी महानंद, सोमराज साहू एवं शिवेंद्र यादव ने अपनी जिम्मेदारी निभाई।

बैडमिंटन में रोमांचक मुकाबले

रायपुर। रायपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा सप्रे शाला बैडमिंटन हॉल के प्रशिक्षु बालक व बालिकाओं हेतु बैडमिंटन स्पर्धा आयोजित की गई। विभिन्न वर्गों में खेले गये फायनल मुकाबलों में 11 वर्ष आयु समूह बालक वर्ग एकल – सूर्यांश भंसाली ने शिवाय पुजारी को 21-14,24-26,24-22 से हराया। 11 वर्ष आयु समूह बालिका वर्ग एकल – समृद्धि जैन ने आलिया ध्रुव को 21-12,21-11 से हराया। 13 वर्ष आयु समूह बालक वर्ग एकल – रूआन बैद ने श्लोक वासुदेव को 21-2,21-3 से हराया। 13 वर्ष आयु समूह बालिका वर्ग एकल – अनन्या निहाल ने समृद्धि जैन को 21-15,12-21,22-20 से हराया।

रायपुर में 45वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का भव्य समापन

तीरंदाजी में उप्र टॉप पर, एकल राउंड में छत्तीसगढ़ के विक्रम को सिल्वर मैडल

रायपुर। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित 45वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर इंडियन राउंड के विजेता खिलाड़ियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। नौ दिनों तक चली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से आए प्रतिभावान तीरंदाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा उपाध्यक्ष नंदन जैन, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के जनरल डायरेक्टर मयंक श्रीवास्तव, शरद शुक्ला सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

खेल सिखाता है हार-जीत से ऊपर राष्ट्रगौरव –अग्रवाल

मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि खेल हार-जीत से ऊपर राष्ट्र गौरव सिखाता है। उन्होंने तीरंदाजी को भारत का प्राचीन और धरोहर खेल बताते हुए सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

छत्तीसगढ़ में खेलों का भविष्य उज्ज्वल –श्रीवास्तव

साईं के जनरल डायरेक्टर मयंक श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में इस तरह के राष्ट्रीय आयोजनों से नई प्रतिभाओं को मंच मिलता है। उन्होंने बताया कि फरवरी में छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स आयोजित किए जाएंगे।

खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़ने का बड़ा मंच–मुरारका

आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका ने प्रतियोगिता खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का सशक्त माध्यम बनेंगी।

झारखंड और असम का शानदार प्रदर्शन

प्रतियोगिता के इंडियन राउंड में देश के विभिन्न राज्यों के युवा तीरंदाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मेडल टैली में उत्तर प्रदेश सबसे सफल राज्य बनकर उभरा, जबकि झारखंड, असम और राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी कई पदक अपने नाम किए।

पुरुष वर्ग में उप्र का दबदबा

पुरुष इंडियन राउंड की 30 और 40 मीटर स्पर्धाओं में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार निरंतरता दिखाई। 40 मीटर पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश के शुभम ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि असम के श्याम कानू राभा को सिल्वर और उत्तर प्रदेश के मनीष को ब्रॉन्ज मेडल मिला। 30 मीटर पुरुष वर्ग में भी शुभम (उत्तर प्रदेश) ने गोल्ड जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। सिल्वर रणविजय यादव (उत्तर प्रदेश) और ब्रॉन्ज चंदरमोहन सोरेन (झारखंड) के खाते में गया। पुरुष इंडिविजुअल एलिमिनेशन राउंड में असम के श्याम कानू राभा ने गोल्ड मेडल हासिल किया। छत्तीसगढ़ के विक्रम राज को सिल्वर और झारखंड के कुलदीप महतो को ब्रॉन्ज मेडल मिला, जो मेज़बान राज्य के लिए भी गर्व का क्षण रहा।

महिला वर्ग में झारखंड और राजस्थान के तीरंदाज छाए

महिला वर्ग में झारखंड और राजस्थान की तीरंदाजों ने मजबूत दावेदारी पेश की। 40 मीटर महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश की वेदाक्षी तोमर ने गोल्ड जीता, जबकि झारखंड की बेबी कुमारी को सिल्वर और लक्ष्मी कुमारी (झारखंड) को ब्रॉन्ज मेडल मिला। 30 मीटर महिला वर्ग में राजस्थान की प्रतिभा कंडारा ने गोल्ड पर निशाना साधा। असम की हिमानी बसुमतारी को सिल्वर और झारखंड की बेबी कुमारी को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुआ। महिला इंडिविजुअल एलिमिनेशन राउंड में भी राजस्थान की प्रतिभा कंडारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। हरियाणा की पायल को सिल्वर और झारखंड की बेबी कुमारी को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

कड़ा मुकाबला तीरंदाजों में

टीम और मिक्स्ड टीम इंडियन राउंड मुकाबलों में उत्तर प्रदेश, झारखंड, मणिपुर, तेलंगाना और राजस्थान की टीमों ने दमदार खेल दिखाया। कई मुकाबले बेहद करीबी रहे, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच चरम पर रहा।

ये राज्य रहे सबसे आगे

इंडियन राउंड की मेडल टैली पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश सर्वाधिक गोल्ड और कुल पदकों के साथ शीर्ष पर, झारखंड महिला और टीम इवेंट्स में मजबूत प्रदर्शन, असम और राजस्थान की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में प्रभावशाली मौजूदगी रही।

अंडर-19 क्रिकेट में बीसीए की शानदार जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-19 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत पहले राउंड के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले हुए। धमतरी में टीम भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन विरुद्ध बीएसपी के बीच मुकाबले में बल्लेबाजी करते हुए बीएसपी टीम पहली पारी और 68 रन पर आउट हो गई। नीलांजल ने 23 रन और सक्षम सिन्हा ने 15 रन बनाएं। गेंदबाजी में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के साहित्य कुमार साहू ने 5 विकेट, आयुष कुमार सिंह ने तीन विकेट, चंद्र भूषण एवं रुद्र नारायण ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन टीम पहली पारी में 124 रन पर आउट हो गई। चंद्र भूषण साहू ने 51 रन, रुद्र नारायण वर्मा ने 23 रन और कप्तान बी. इशांत राव ने 18 रन बनाएं। गेंदबाजी में बीएसपी के अभ्युदयकुमार सिंह ने छह विकेट प्रकशाल जैन ने दो विकेट और नितांत सिंह ने एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में बीएसपी दूसरी पारी 205 रन पर आउट हो गई। प्रकशाल जैन ने नाटआउट 49 रन और अभ्युदय कुमार सिंह ने 36 रन बनाए। कप्तान नितांत सिंह ने 27 रन, आयुष्मान तिवारी ने 19 रन और अभिषेक शुक्ला ने 17 रन बनाए। गेंदबाजी में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन की दूसरी पारी में आयुष कुमार सिंह ने 3 विकेट, रुद्र नारायण वर्मा और चंद्र भूषण साहू ने दो-दो विकेट, साहित्य कुमार शेखर सिंह एवं वी इशांत राव ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन ने दूसरी पारी आठ विकेट पर 150 रन बनाए। कप्तान वी इशांत राव ने 41 रन, शुभम सिंह ने 24 रन, चंद्रभूषण ने 13 रन एवं आयुष कुमार सिंह नॉट आउट 11 रन बनाए। इस प्रकार भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन की टीम ने यह मैच दो विकेट से जीता एवं 6 अंक प्राप्त किए। दल्ली राजहरा में टीम राजनांदगांव विरुद्ध रायपुर के मैच में रायपुर ने पांच विकेट से जीत हासिल की और 6 अंक प्राप्त किए। बल्लेबाजी में राजनांदगांव टीम दूसरी पारी तीन विकेट पर 46 रन से आगे खेलते हुए 119 रन बनाकर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायपुर ने दूसरी पारी पांच विकेट पर 115 रन बनाए।

■ सीएससीएस अंडर-19 एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला राउंड

घर में इन पक्षियों की तस्वीरें लगाना हो सकता है शुभ, दिखने लगेगा फर्क

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में वास्तु दोषों से छुटकारा पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। अगर आप भी घर में सुख-शांति और आर्थिक स्थिति को ठीक करने के कुछ उपाय ढूंढ रहे हैं, तो आप दो पक्षियों की तस्वीर अपने घर में लगा सकते हैं।

इन दो पक्षियों की तस्वीर

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, अगर घर में आर्थिक समस्या चल रही है और लगातार कर्ज लेने की स्थिति बन रही है, तो यह वास्तु दोष के लक्षण हो सकते हैं। इससे बचने के लिए आप घर की दीवार पर मोर पंख और नीलकंठ इन दो पक्षियों की तस्वीर लगा सकते हैं। वास्तु शास्त्र में इन दोनों पक्षियों की फोटो घर में लगाना बेहद शुभ माना जाता है। मोर माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। वहीं, नीलकंठ माता दुर्गा का प्रतीक है। इन दो पक्षियों की तस्वीर घर में रखने से आर्थिक संकट दूर होते हैं। इसके साथ ही वास्तु दोषों से भी छुटकारा मिल सकता है। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

किस दिशा पक्षियों की तस्वीर लगाना शुभ?

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, नीलकंठ की तस्वीर को हमेशा प्रवेश द्वार पर या घर की पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। इससे आपके घर में सुख-समृद्धि आती है। आर्थिक उन्नति के साथ-साथ घर की परेशानी भी दूर हो सकती है। अगर आप घर से निकलते वक्त नीलकंठ या मोर की तस्वीर देखते हैं, तो सभी कार्य पूर्ण होंगे। जॉब की तलाश में जा रहे हैं तो इसे देखने से शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

नए साल पर अपनों को भूलकर भी न दें ये चीजें, पड़ सकती है रिश्तों में दरार

किसी के प्रति अपना प्यार या सम्मान व्यक्त करने के लिए सबसे अच्छा तरीका उसे उपहार देना माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि उपहार देने से रिश्ते और मजबूत होते हैं। ऐसे में यदि आप भी नए साल पर अपने किसी प्रियजन को उपहार देना चाहते हैं तो ज्योतिष के कुछ नियमों को जरूर जान लें।

कुछ ही दिनों बाद साल 2024 खत्म होने वाला है और साल 2025 का आगाज हो जाएगा। नए साल के आते ही बधाइयों का सिलसिला शुरू हो जाता है। साथ ही लोग नए साल पर अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को उपहार भी देते हैं। किसी के प्रति अपना प्यार या सम्मान व्यक्त करने के लिए

सबसे अच्छा तरीका उसे उपहार देना माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि उपहार देने से रिश्ते और मजबूत होते हैं। ऐसे में यदि आप भी नए साल पर अपने किसी प्रियजन को उपहार देना चाहते हैं तो ज्योतिष के कुछ नियमों को जरूर जान लें। दरअसल, ज्योतिष के जानकारों का मानना है कि कुछ चीजों को कभी भी उपहार के रूप में नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से धीरे-धीरे रिश्ते की मिठास कम होने लगती है। तो चलिए जानते हैं ऐसी कौन सी चीजें हैं जिन्हें नए साल पर किसी को गिफ्ट में नहीं देना चाहिए...

जूते-चप्पल

कभी किसी को उपहार के रूप में जूते या चप्पल नहीं देना चाहिए क्योंकि जूते चप्पल दरिद्रता का प्रतीक माने जाते हैं। ये चीजें गिफ्ट में देने से दरिद्रता कभी पीछा नहीं छोड़ती है।

घड़ी और रुमाल

यदि आप नए साल के अवसर पर घड़ी या रुमाल गिफ्ट में देना चाहते हैं तो ऐसा बिल्कुल भी न करें। ऐसी मान्यता है कि रुमाल देने से नकारात्मकता बढ़ती है और रिश्तो में गलतफहमी पैदा होती है। वहीं किसी को घड़ी देने से अच्छा समय भी खराब होने लगता है।

नुकीली चीज

किसी को गिफ्ट देते समय ध्यान रखें कि उसमें कोई भी नुकीली चीज ना हो। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार नुकीली चीज गिफ्ट में देने से रिश्तों में धोखा मिलता है। वहीं आपको भी ऐसी चीजें उपहार में मिलें तो इन्हें किसी को दान दे दें। भूल से भी अपने पास न रखें।

पर्स या बैग

पर्स या बैग भी किसी को उपहार में नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से हमारी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है।

देवी-देवताओं की मूर्तियां

भगवान की मूर्तियां किसी को उपहार में देने से बचना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो भगवान आपसे नाराज हो सकते हैं।

मनी प्लांट

कभी भी किसी को मनी प्लांट उपहार में नहीं देना चाहिए और न ही किसी से लेना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको आर्थिक तंगी से जूझना पड़ सकता है।

कार्नर न्यूज

सेहत सबसे बड़ी पूंजी, इसे जरूर सहेजें

चाहते हैं स्वस्थ और लंबी आयु तो नए साल में गांठ बांध ले खास बातें, रहेंगे चिंतामुक्त और सेहतमंद

साल 2025 का काउंटडाउन शुरू हो गया है, कुछ ही दिनों में हम 2025 में प्रवेश करने जा रहे है। इससे पहले अगर साल 2024 पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि ये पूरा साल हमारी सेहत के मामले में कई तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। पूरे साल कई प्रकार का संक्रामक बीमारियों, हृदय रोग, मच्छरजनित रोगों सहित कई बीमारियों ने समय-समय पर मुश्किलें बढ़ाईं। हम भले ही एक नए साल की तरफ बढ़ रहे हैं पर ये चुनौतियां अभी कम नहीं हुई हैं। इनका खतरा अब भी बना हुआ है। अध्ययनों से पता चलता है कि कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं, पर्यावरणीय दिक्कतों के कारण हमारी सेहत पर बहुत नकारात्मक असर हुआ है, लिहाजा कम उम्र में ही लोग न सिर्फ गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, साथ ही मौत का खतरा भी बढ़ा है। इस दिशा में विशेष प्रयास की आवश्यकता है। अगर आप भी बीमारियों से बचाव करते हुए स्वस्थ और लंबी आयु चाहते हैं तो नए साल में कुछ विशेष सुधार की आवश्यकता है। आइए इस बारे में जानते हैं।

न्यू ईयर रेजोल्यूशन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्वस्थ जीवन के लिए सबसे आवश्यक है कि हम सभी अपनी इम्युनिटी को मजबूत करने के लिए प्रयास करें। ये सतत प्रक्रिया है जिसका मतलब है कि प्रतिरोधक क्षमता को निर्मित करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है। पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम करने से आपकी जीवन प्रत्याशा बढ़ सकती है। लाइफस्टाइल में कुछ आवश्यक बदलाव करके आप लंबी आयु पा सकते हैं। कम उम्र से ही इसके लिए प्रयास शुरू कर देना आवश्यक है, ये आपके लिए न्यू ईयर रेजोल्यूशन भी है।

आहार में प्लाट-बेस्ड चीजों-नट्स को करें शामिल

शोधकर्ता बताते हैं, फलों-सब्जियों, नट्स-सीड्स, साबुत अनाज और बीन्स जैसे विभिन्न प्रकार के पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बीमारी का खतरा कम हो सकता है और आप दीर्घायु होते हैं।

अध्ययनों में पाया गया है कि प्लाट-बेस्ड आहार, समय से पहले मौत के जोखिम को कम करने के साथ कैंसर, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, हृदय रोग, अवसाद जैसी बीमारियों से बचा सकते हैं। इसी तरह आहार में नट्स को जरूर शामिल करें। ये प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग प्रति सप्ताह कम से कम 3 बार नट्स का सेवन करते हैं, उनमें समय से पहले मृत्यु का जोखिम 39% कम होता है।

शारीरिक रूप से सक्रिय रहें

इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से आप स्वस्थ रह सकते हैं और आयु भी बढ़ती है। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट का व्यायाम आपको दीर्घायु बनाने के लिए लाभकारी है। इससे समय से पहले मृत्यु का जोखिम भी 4% कम हो सकता है। अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि व्यायाम करने वाले 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों में शीघ्र मृत्यु का जोखिम 22 फीसदी तक कम देखा गया है। स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपकी जरूरत है।

धूम्रपान-शराब से बिल्कुल दूरी

धूम्रपान न सिर्फ कई प्रकार की गंभीर बीमारियों को बढ़ाता है, ये समय से पहले मृत्यु का कारक भी है। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वालों में समय से पहले मरने की आशंका तीन गुना अधिक हो सकती है। समीक्षा अध्ययन में पाया गया है कि 40 साल की उम्र से पहले तंबाकू छोड़ने से इसके कारण होने वाली मृत्यु जोखिमों को कम किया जा सकता है। इसी प्रकार से शराब का सेवन लिवर, हृदय और अग्न्याशय की बीमारी को बढ़ा सकता है साथ ही इससे शीघ्र मृत्यु का खतरा भी बढ़ जाता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

2026 में 'एंडगेम' रचेगी इतिहास, दो नई मेगा फिल्मों के बीच होगी री-रिलीज

मार्वल यूनिवर्स की ओर से अगले साल बड़ा धमाल होने जा रहा है। जी हां, साल 2026 में मार्वल की तीन बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। मार्वल सि ने मै टि क यूनिवर्स एक बार फिर दुनिया भर के दर्शकों को रोमांच से भरने की तैयारी कर चुकी है। सुपरहीरो फिल्मों की दुनिया में अपनी अद्वितीय पहचान बना चुकी अवेंजर्स एंडगेम अब 2026 में दोबारा थिएटरों में वापसी करने जा रही है। जी हां, मार्वल अपने गोल्डन एरा को फिर से जीवंत करने के इरादे के साथ उतरा है और 2026 को सुपरहीरो कहानियों का सबसे बड़ा साल बनाने की रणनीति तैयार हो चुकी है।

मार्वल ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया है कि अवेंजर्सः एंडगेम की री-रिलीज 25 सितंबर 2026 को की जाएगी। 2019 में रिलीज हुई यह फिल्म विश्वभर में करोड़ों फैंस से जुड़ी है। अपनी दिल दहला देने वाली कहानी, सुपरहीरो टीमअप और इमोशनल पडावों के कारण एंडगेम को काफी पसंद किया गया था। री-रिलीज के पीछे मार्वल का उद्देश्य न केवल नए दर्शकों को इस क्लासिक फिल्म से जोड़ना है, बल्कि पुराने फैंस को भी वह एहसास दोबारा देने का है, जिसने 2019 में सिनेमाघरों को हाउसफुल कर दिया था। मार्वल का 2026 का कैलेंडर इस बात का प्रमाण है कि मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स एक नए सुपरहीरो युग की शुरुआत करने वाला है। जुलाई से दिसंबर तक के तीन महीनों में तीन बड़ी रिलीज दर्शकों के सामने होंगी- स्पाइडरमैनः ब्रैंड न्यूज डे अगले साल 31 जुलाई को रिलीज होगी। अवेंजर्स एंडगेम 25 सितंबर को रि-रिलीज हो रही है।

टॉलीवुड

जूनियर एनटीआर के पर्सनालिटी राइट्स को मिली सुरक्षा, कोर्ट ने दिया प्रोटेक्टिव ऑर्डर

कई एक्टर्स इन दिनों अपने पर्सनालिटी राइट्स को लेकर कोर्ट का रूख कर रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर के पर्सनालिटी राइट्स को लेकर एक प्रोटेक्टिव ऑर्डर दिया है। कोर्ट ने एक्टर के पर्सनालिटी राइट्स को लेकर प्रोटेक्टिव ऑर्डर दिया है। इससे डिजिटल एरा में उनके पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा हो सकेगी। इस बात के लिए जूनियर एनटीआर ने कोर्ट को शुक्रिया कहा है।

जूनियर एनटीआर ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर लिखा, 'मैं माननीय दिल्ली हाई कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं। कोर्ट ने मेरे पर्सनालिटी राइट्स को लेकर प्रोटेक्टिव ऑर्डर दिया है, इसके लिए आभारी हूं। यह ऑर्डर आज के डिजिटल युग में मेरे पर्सनालिटी राइट्स की रक्षा करता है। सुप्रीम कोर्ट के वकीलों डॉ. बालाजानकी श्रीनिवासन और डॉ. अलका डाकर, साथ ही मिस्टर राजेंद्र और राइट्स एंड मार्क्स की टीम को उनके कानूनी सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।' जूनियर एनटीआर ही नहीं पर्सनालिटी राइट्स वाले मामले में कई एक्टर्स को कोर्ट की तरफ से राहत मिली है। इन एक्टर्स के पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा को कोर्ट ने सुनिश्चित किया है। इस लिस्ट में अक्षय कुमार, ऐश्वर्या राय, एक्टर चिरंजीवी जैसे कई नाम शामिल हैं। कई और एक्टर्स भी कोर्ट में इसी तरह की याचिका डाल रहे हैं, जिससे उनकी पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा हो सके।

पिछले साल जूनियर एनटीआर फिल्म 'देवरा पार्ट वन' में नजर आए। इस साल उन्होंने ऋतिक रोशन की फिल्म 'वॉर 2' की थी। इस फिल्म से जूनियर एनटीआर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। जबकि वह साउथ फिल्मों के सुपरस्टार हैं।

भोजपुरी

'बाबुल की दुआएं' छा गई, भावुक दर्शक बोले- आखिर में रुला दिया

भोजपुरी की नई फिल्म 'बाबुल की दुआएं' 27 दिसंबर को यूट्यूब पर रिलीज हो गई है और इसकी खूब चर्चा हो रही है। भोजपुरी के फैंस फिल्म देखने के बाद भावुक हो गए तारीफ करते नहीं थके। रिलीज के 14 घंटों में इसे 2.5 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। कहानी बेहद मार्मिक है और सीधे दिल पर वार करती है। 'बाबुल की दुआएं' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से भी भोजपुरी के फैंस के बीच इस फिल्म का बेसब्री से क्रेज देखा जा रहा था।

'बाबुल की दुआएं' की कहानी एक मां की है, जिसके पति की मौत हो चुकी है और अब सारा भार उसके कंधों पर है। उसे अकेले ही दो बेटियों परवरिश करनी पड़ती है और समाज के ताने भी झेलने पड़ते हैं। हर मुश्किल और लोगों के तानों से लड़ते हुए वो मां दोनों बेटियों को पालती है और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए किसी भी हद तक चली जाती है। बेटियों की शादी जैसा बड़ा फैसला भी उसे खुद ही लेना पड़ता है और तब वह बुरी तरह टूट जाती है। लेकिन हालातों से दबने या डरने के बजाय वो मां बेटियों के साथ डटकर खड़ी होती है। इस फिल्म में काजल यादव और आकाश यादव लीड रोल में हैं। फिल्म को अजय कुमार झा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में बंधू खन्ना, संगीता श्रीवास्तव, माया यादव,प्रेम दुबे, स्वीटी सिंह, संतोष श्रीवास्तव, प्रिया वर्मा, पायस पंडित, विनोद मिश्रा और अंशु तिवारी जैसे कई और कलाकार भी हैं। फिल्म की कहानी सत्येंद्र सिंह ने लिखी है और म्यूजिक ओम झा ने दिया है।

हैरिस की उड़ान

लाइफ स्टाइल

जाने माने डिजाइनर हैरिस रीड को मैंस फैशन में सर्वाधिक लोकप्रियता हासिल है। उनका हालिया कलेक्शन एक मरमेड ड्रेस है जिसमें किसी भी बॉडी टाइप के लिए काफी स्ट्रेच है। हैरिस कहते हैं-यह जेंडर फ्लूइड हैं और वह जेंडर रोल को खत्म करने की उम्मीद करते हैं। हैरिस की सलाह है कि उन पुरुषों को इसे जरूर अपनाना चाहिए, जो अभिनव प्रयोगों को पसंद करते हैं।

सफेद मोजे नीचे से हो गए हैं काले तो करें ये उपाय

सफेद मोजे को धोने में हर कोई परेशान हो जाता है, क्योंकि इनके तलवों के जिद्दी दाग आसानी से जाते नहीं है। अगर आप उन्हें रगड़ेंगे या फिर ब्रश का प्रयोग करेंगे, तो मोजे खराब हो सकते हैं। ऐसे में लोग सफेद मोजो पर लगे काले निशान साफ नहीं कर पाते और वह कुछ टाइम प्रयोग करने के बाद फेंक देते हैं। सफेद मोजों पर नीचे की तरफ लगे काले निशान को साफ करने के लिए आप बेकिंग पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इसकी मदद से दाग आसानी से निकल जाएंगे। लेकिन इससे साफ करने से पहले आपको गंदे मोजों को 2 घंटे तक पानी में भिगो कर रखना होगा। इस प्रोसेस को करने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में दो चम्मच बेकिंग पाउडर मिलाएं। इसके बाद पानी में डिटर्जेंट पाउडर मिलाकर, 2 घंटे के लिए गंदे मोजों को भीगे रहने के लिए छोड़ दें। इसके बाद जब आप इन मोजों को हाथ से हल्के हाथ से रगड़ेंगे, तो आप देखेंगे कि मोजों से दाग आसानी से उतरने लगा है। अगर पूरी तरह से दाग नहीं उतरता है, तो फिर आप मोजों को सिरके के पानी में भी भिगो कर रख सकती हैं। यकीन मानिए इस प्रोसेस को करने के बाद दाग आसानी से छूट जाएंगे।

साथ ही, मोजे चमकदार और मुलायम भी लगेंगे।

तलवों पर लगे दाग को साफ करने के लिए नींबू का प्रयोग करना सबसे आसान है। इसके लिए आपको सबसे पहले एक बर्तन में 2 से 3 ग्लास पानी गर्म करना है। आप उतना पानी गर्म करें, जिसमें मोजे आसानी से धुल जाएं। अब आप 3 नींबू को काटकर इसके रस को पानी में डाल दें। इसके साथ आप बर्तन धोने के लिक्विड की 6 से 7 बूंदे इसमें डालें। अब मोजों को इस गर्म पानी के घोल में 20 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद आप मोजों को पानी से निकालें और हल्के हाथों से रगड़ें। ऐसा करने पर आप देखेंगे कि मोजों के तलवे बिल्कुल चमकने लगे हैं।

पार्टी में स्टाइल करें ये वेस्टर्न आउटफिट्स, लगेंगी खूबसूरत

न्यू ईयर पार्टी के लिए हर कोई रेडी है। कई सारे ऑफिस ऐसे होते हैं जहां पार्टी रखी जाती हैं। वहां पर हर कोई अच्छे से ड्रेस होकर आता है ताकि वो खूबसूरत दिख सके। खासकर लड़कियां क्योंकि वो साल की आखिरी पार्टी में सबसे सुंदर दिखने के लिए पहले से ही आउटफिट प्लानिंग करती रहती हैं। लेकिन इसके बाद भी क्या स्टाइल किया जाए इस बात को लेकर हमेशा कंन्फ्यूज रहती हैं। इसी कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए आप यहां बताए गए आउटफिट्स को वियर कर सकती हैं। इसमें आप काफी सुंदर नजर आएगी।

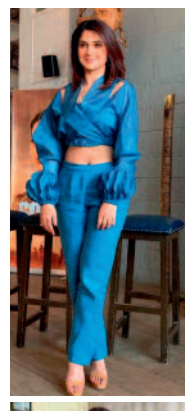

व्हाइट पैंट सूट करें स्टाइल

अगर आपको पार्टी में थोड़ा प्रोफेशनल लुक क्रिएट करना है तो इसके लिए बेस्ट है कि आप व्हाइट पैंट सूट स्टाइल करें। जैसा इस फोटो में हिना खान ने वियर किया है। इसमें वो काफी सुंदर लग रही हैं। इसे बुटीक बाय सांची द्वारा डिजाइन किया गया है। आप मार्केट से इस तरीके के आउटफिट्स खरीदकर ऑफिस पार्टी में स्टाइल कर सकती हैं और परफेक लग सकती हैं। इसके साथ पर्ल डिजाइन वाले इयररिंग्स और बोल्ड मेकअप से लुक को परफेक्ट तरीके से कंप्लीट कर सकती हैं।

जंपसूट करें वियर

अगर आपको कम्फर्टेबल दिखना है तो इसके लिए आप पार्टी में जंपसूट वियर कर सकती हैं। इसमें काफी अच्छे डिजाइन (ओवरसाइज आउटफिट स्टाइल करने का तरीका) मिल जाते हैं। दिया मिर्जा ने भी इस फोटो में जंप सूट को वियर किया हुआ है जो गोल्डन कलर का है और प्रिंट वर्क हुआ है। इस जंपसूट को ऋतु कुमार द्वारा डिजाइन किया गया है। आप भी इस तरह के जंपसूट को ऑफिस पार्टी में स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में ये आपको 500 से 1000 रुपये में मिल जाएंगे। अगर आपको कुछ नए ट्रेंड के आउटफिट को स्टाइल करने का मन है तो इसके लिए आप लॉन्ग गाउन को स्टाइल कर (आउटफिट स्टाइल टिप्स) सकती हैं। इसें आजकल आपको ज्यादा प्लीट्स वाले गाउन मिलेंगे। जिसे आप पार्टी में वियर कर सकती हैं। इसके साथ ज्वेलरी भी एड कर सकती हैं।

सर्दी में टीशर्ट पहनिए और लुक पर पाइए फुल मार्क

अलमारी में रखी आपकी टीशर्ट अब पहनने का मौका ही नहीं मिलता है? क्योंकि सर्दी के मौसम में टीशर्ट का क्या काम, पिछले कई महीनों से ये बस रखी हैं। अगर ऐसा आपके साथ भी है तो अब ऐसा मत कीजिएगा क्योंकि टी शर्ट को सर्दी में भी कई तरह से पहना जा सकता है। ये वो तरीके हैं, जो आपको सर्दी में भी टीशर्ट के साथ हैंडसम दिखाएंगी-

कोट करेंगे आपकी मदद

इस वक्त कोट तो पहने ही जा सकते हैं। आप भी इन्हें अपने लुक में शामिल करते होंगे लेकिन अब कोट लुक में टीशर्ट को भी शामिल कर लीजिए। इसमें आपको जींस का साथ मिल जाए तो बिल्कुल एलीगेंट लुक आपको मिल जाएगा। आप लॉन्ग कोट के साथ जींस और अपनी पसंद की टी शर्ट पहनिए। इस वक्त रंगों के कॉम्बिनेशन का ध्यान रखें।

कस्टम मेड टीशर्ट हैं तो

अगर आपके पास कस्टममेड टीशर्ट हैं तो आप इनको कोट के साथ पहनकर सिंपल लुक पा सकते हैं। लेकिन इस लुक को स्नीकर के साथ मैच करके पूरा किया जाए तो सबकुछ परफेक्ट हो जाएगा।

ओवर साइज टीशर्ट का फैशन

ओवरसाइज टीशर्ट का फैशन पिछले लंबे समय से चल रहा है तो आपके पास भी ये जरूर होंगी। इनको भी विंटर फैशन में शामिल किया जा सकता है। इन टीशर्ट के साथ आपको स्पोर्टी लुक मिल सकता है।इसके साथ आप लेगिंग स्टाइल पैंट पहनें और साथ में मनपसंद जैकेट भी। स्टाइलिश स्नीकर हों तो और भी अच्छा। टीशर्ट लेयरिंग में काफी काम आती है। इनको आप डेनिम शर्ट के साथ पहनें और ऊपर से जैकेट या लॉन्ग कोट पहन लें।

इस मौसम में स्टाइल करें बूट्स, दिखेगा जलवा

पार्टी में जाना हर किसी को पसंद होता है। इसलिए लोग पहले से ही इस चीज की प्लानिंग करते रहते हैं। किसी को अपने लिए अच्छी ड्रेस खरीदनी होती है तो किसी को जरूरत होती है कम्फर्टेबल फुटवियर की इसलिए वो ड्रेस के साथ पहनने के लिए अलग-अलग डिजाइन के फुटवियर को लेते हैं। लेकिन जब बात आती है पार्टी की तो इसके लिए हमें कुछ तो स्टाइलिश लेना पड़ेगा। इसके लिए आप बूट्स को वियर कर सकती हैं। ये हर एक ड्रेस के साथ अच्छे लगते हैं और सर्दियों के लिए बेस्ट होते हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें

पार्टी में कई सारी लड़कियां होती हैं जो जींस और टॉप वियर करना पसंद करते हैं। इसके साथ भी आप बूट्स को वियर कर सकती हैं। इसके लिए लॉन्ग या शॉट दोनों तरह के बूट्स को खरीदें और स्टाइल करें। इसमें आपको अलग-अलग कलर ऑप्शन भी मिल जाएंगे। जिसे आप जींस के कलर से मैच करके वियर कर सकती हैं। मार्केट में आपको ये बूट्स 1000 से 2000 रुपये में मिल जाएंगे।

ड्रेस के साथ स्टाइल करें

ड्रेस के साथ भी बूट्स अच्छे लगते हैं इसलिए आप इन्हें भी वियर कर सकती हैं। इससे लुक और ज्यादा (फुटवियर डिजाइन) स्टाइलिश लगता है। लेकिन ड्रेस के नीचे पहनने के लिए आप हमेशा लॉन्ग बूट्स को खरीदें। ऐसा इसलिए क्योंकि इसको पहनने से पहले आप गर्म स्टॉकिंस पहन सकती हैं फिर बूट्स स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपको ठंड भी नहीं लगेगी और लुक खराब भी नहीं लगेगा। मार्केट में ऐसे बूट्स आपको 1000 से 2000 रुपये में मिल जाएंगे।

लॉन्ग कोट ड्रेस के साथ वियर करें

पार्टी में लड़कियां सबसे ज्यादा वेस्टर्न आउटफिट्स पहनना पसंद करती हैं इसलिए जरूरी है कि आप भी अपने लॉन्ग (न्यू शूज) कोट ड्रेस के साथ इन्हें स्टाइल करें। इसके लिए आप शॉट बूट्स को वियर कर सकती हैं। इसमें आपको हील्स जरूर लेनी चाहिए।

कार्नर न्यूज

अधिकतर दूल्हों से हो जाती हैं कुछ गलतियां, टिप्स जानना जरूरी

दूल्हा बन रहे हैं तो कीजिए कुछ खास तैयारी इन फैशन मिस्टेक से तो जरूर बच कर रहें

विंटर वेडिंग फैशन मिस्टेक करने वाले शादी के महंगे कपड़ों में भी स्टाइलिश नहीं दिख पाते। फैशन मिस्टेक के कारण उनका वेडिंग लुक बिगड़ जाता है, जबकि लड़कियां (दुल्हन) इन बातों का ख्याल रखती हैं।इस वजह से केवल लुक ही नहीं बिगड़ता बल्कि ठंड भी लगने लगती है, जिससे कई बार शादी का मजा किरकिरा हो जाता है। फिर ठंड में जैसे-तैसे शादी की रस्म निभानी पड़ती है। इसलिए हम यहां पर विंटर वेडिंग फैशन से जुड़ी कुछ खास बातों को जान लेते हैं। इससे किसी भी दूल्हे को परफेक्ट लुक मिल सकता है और ठंड से भी बचा जा सकता है।

गलत फैब्रिक की ड्रेस

कपड़े हमेशा सीजन के हिसाब से खरीदने चाहिए। हर मौसम के अनुसार फैब्रिक पहनना चाहिए। जैसे- गर्मी के मौसम में कॉटन के कपड़े। मगर कई लड़के सर्दी के मौसम में भी फैब्रिक की पहचान किए बगैर ही कपड़े खरीद लेते हैं। इस वजह से उनको परेशानी होती है। जैसे- ठंड लगना, अनकंफर्ट फील करना आदि।इसलिए सर्दी के मौसम में शादी करने वाले लड़कों को अपने लिए हल्के वुलेन, नायलॉन, पॉलिस्टर जैसे फैब्रिक के बनी ड्रेस पहननी चाहिए। लेकिन कई लोग इस बात को भूलकर केवल डिजाइन और स्टाइल का ध्यान रखकर ही ड्रेस खरीद लेते हैं। इससे उनका लुक भी बिगड़ जाता है। वेडिंग ड्रेस की शॉपिंग करते वक्त इन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

गलत डिजाइन की वेडिंग ड्रेस

हर मौसम के हिसाब से कपड़े बनाए जाते हैं। उसी तरह सर्दी के मौसम में हमें कुछ बातों का ख्याल रखकर कपड़े पहनने चाहिए। जैसे- ठंड के मौसम में धोती-कुर्ते की बजाय वेस्टर्न ड्रेस, शेरवानी आदि पहनें। धोती-कुर्ते में सर्दी अधिक लगती है। साथ ही इसके अंदर पहने जाने वाले गर्म कपड़े भी नजर आने लगते हैं।

अधिक गर्म कपड़े पहनना

कई लोग गलत डिजाइन और फैब्रिक की ड्रेस खरीद लेते हैं। इस वजह से वे सर्दी से बचने के लिए अंदर ऊनी कपड़े पहन लेते हैं। ऐसे में शरीर फूला हुआ दिखाई देता है। सर्दी से बचने के कारण यह बात उनको नजर नहीं आती लेकिन गेस्ट इस बात को नजरअंदाज नहीं कर पाते हैं। इससे बेहतर होगा कि अच्छी क्वालिटी के थर्मल पहनें।

जूतों का गलत सिलेक्शन

कई दूल्हे सर्दी के मौसम में शेरवानी के साथ सूट या फॉर्मल ड्रेस के साथ पहने जाने वाले जूते पहन लेते हैं। क्योंकि उनको सर्दी के मौसम में पैरों को ठंड से बचाना होता है। इस वजह से भी उनका स्टाइल बिगड़ जाता है। इसलिए सही वेडिंग फुटवियर के साथ सॉक्स पहनें।

दूल्हे की टोपी गलत चूज करना

दूल्हे की टोपी कान को ढंक नहीं पाती। फिर भी सर्दी के मौसम में कई लड़के ऐसी टोपी को पहने दिखते हैं। यह भी एक प्रकार की मिस्टेक ही है।इससे बचने के लिए सर्दी के मौसम में स्टाइलिश पगड़ी बांधें। इससे कान भी ढंके रहेंगे और स्टाइल भी मेंटेन रहेगी।

स्टॉल का इस्तेमाल

ठंड के मौसम में शेरवानी या किसी वेडिंग ड्रेस के साथ स्टॉल का इस्तेमाल करना सही नहीं कहा जा सकता। इससे बेहतर होगा कि आप महंगे और डिजाइनर शॉल, वेलवेट स्टॉल का प्रयोग करें। कई लोग ऐसा करते हैं लेकिन वे मैचिंग नहीं कर पाते हैं।